दैनिक
छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

वर्ष 25 अंक 318 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 डाक- शनिवार 13 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा पर दर्दनाक हादसा: बस के खाई में गिरने से 8 यात्रियों की मौत, कई घायल

सुकमा,12 दिसंबर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सीमा से सटे आंध्र प्रदेश के मारेडमिल्ली घाट में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. प्राइवेट ट्रेवल्स बस के खाई में गिरने से 8 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं कई यात्री घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए चिंतूर अस्पताल भेजा जा रहा है. (छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश सीमा पर दर्दनाक हादसा)

जानकारी के मुताबिक, यह बस अरुकु से रायलसीमा, चित्तूर जा रही थी. शुक्रवार की तड़के सुबह मारेडमिल्ली घाट में बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई. इस हादसे में 8 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई है, वहीं अनेक लोग घायल हैं. घटना की सूचना मिली राहत दल मौके पर पहुंचा. घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया. वहीं दुर्घटना में मृत यात्रियों की पहचान की जा रही है. सीएम ने जताया दु:ख-आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दु:ख जताया है. उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि तीर्थयात्रियों की एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें कई लोगों की जान चली गई. उन्होंने बताया कि अधिकारियों से घटना के संबंध में जानकारी ली है. उन्हें घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं वहीं वह पीड़ित परिवारों को सहायता देने की भी बात कही है.

अमृतसर में स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, मचा हड़कंप, पुलिस मौके पर पहुंची

अमृतसर ,12 दिसंबर (एजेंसी)। अमृतसर में एक प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी की खबर सामने आ रही है। धमकी मेल के जरिए भेजी गई है। जिसके बाद स्कूल में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने पुलिस को इस बारे में जानकारी दी। जिसके बाद स्कूल को खाली करवा दिया गया है। मौके पर बम स्क्वायड की टीमें बुला ली गई हैं। क्लासरूम चेक किए जा रहे हैं।

फिलहाल पुलिस की जांच चल रही है। पुलिस ई-मेल की भी जांच में जुट गई है। हालांकि अभी ये पता नहीं चला कि किस संगठन की तरफ से ये धमकी दी गई है। शुरुआत में ही पुलिस ने स्कूल के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी और छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए। साथ ही, पुलिस ने धमकी मेल की जांच के लिए साइबर सेल को भी शामिल किया। मेल की जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इसे किसने भेजा और उसका मकसद क्या था।

पुलिस ने कहा कि धमकी गंभीर लग रही है, लेकिन पिछले मामलों की तरह इसमें भी यह संभावना जताई जा रही है कि यह एक फेक मेल हो सकता है। यानी, वास्तविक खतरे की बजाय किसी ने लोगों को डराने के लिए यह मेल भेजा हो। इसी आधार पर पुलिस पूरी जांच कर रही है और डिजिटल सबूतों को खंगाल रही है। पुलिस की जांच अभी जारी है और वह यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि धमकी असली है या फेक।

प्रथमेश

ब्रह्मांड का सबसे बड़ा रहस्य सुलझा : जेम्स वेब टेलीस्कोप ने खोजे 'मॉन्स्टर स्टार्स', सूर्य से 10 हजार गुना भारी थे ये आदिम तारे

वॉशिंगटन ,12 दिसंबर (एजेंसी)। ब्रह्मांड की उत्पत्ति और उसके शुरुआती स्वरूप को समझने में जुटे वैज्ञानिकों को जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के जरिए एक ऐतिहासिक कामयाबी हाथ लगी है। वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में उन विशालकाय आदिम तारों के पक्के सबूत मिल गए हैं, जिन्हें खगोल विज्ञान की दुनिया में 'मॉन्स्टर स्टार्स' या राक्षस तारे कहा जाता है। इस खोज ने पिछले दो दशकों से चली आ रही उस खगोलीय पहेली को सुलझा दिया है जिस पर अब तक केवल कयास लगाए जा रहे थे। माना जाता है कि इन आदिम तारों में से प्रत्येक का वजन हमारे सूर्य से 1,000 से लेकर 10,000 गुना तक ज्यादा रहा होगा और ये बिग बैंग के महज कुछ सौ मिलियन साल बाद ही अस्तित्व में आ गए थे। अब इन तारों की मौजूदगी महज कोरी कल्पना नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक हकीकत बन गई है। इस क्रांतिकारी खोज के लिए हार्वर्ड एंड स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिजिक्स और पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक संयुक्त रिसर्च की है, जिसे 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स' में प्रकाशित किया गया है। रिसर्च टीम ने जेम्स वेब टेलीस्कोप की मदद से सुदूर ब्रह्मांड में स्थित आकाशगंगा 'जीएस 3073' (GS-3073) का अध्ययन किया।

गोवा नाइटक्लब अग्निकांड: बैंकॉक के इमिग्रेशन सेंटर में लूथरा ब्रदर्स, ट्रैवल सर्टिफिकेट के बाद भारत लाया जाएगा

नई दिल्ली ,12 दिसंबर (एजेंसी)। गोवा नाइटक्लब अग्निकांड के मुख्य आरोपी लूथरा बंधुओं को जल्द ही थाईलैंड से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, सौरभ और गौरव लूथरा को थाई अधिकारियों द्वारा फुकेत से बैंकॉक ले जाया जाएगा, जहां उन्हें थाई आव्रजन हिरासत केंद्र में रखा जाएगा। कुछ कानूनी औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद, दोनों को 'आपातकालीन प्रमाणपत्र' जारी किए जाने की उम्मीद है—जिससे उन्हें पासपोर्ट निलंबित होने के बावजूद भारत लौटने की अनुमति मिल जाएगी। आपातकालीन प्रमाणपत्र जारी होने के बाद, उनकी यात्रा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जाएगा और भारतीय अधिकारियों की निगरानी में उन्हें भारत वापस लाया जाएगा।

मोदी जी चर्चा करिए, हम साथ खड़े हैं... राहुल ने संसद में सरकार को 'फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट' क्यों भेजी?

नई दिल्ली ,12 दिसंबर (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद में भारत में बिगड़ते वायु प्रदूषण पर तत्काल और व्यवस्थित बहस की मांग की है। इसे एक जन स्वास्थ्य आपातकाल बताते हुए कहा कि यह सभी दलों के लिए चिंता का विषय है। सरकार ने इस चर्चा के लिए तत्परता दिखाई। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के सबसे बड़े शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर

जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक दिलचस्प मुद्दा है क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि इस मुद्दे पर सरकार और हम सभी के बीच पूर्ण सहमति होगी।

इसके अलावा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि यह उन दुर्लभ मुद्दों में से एक है जिन पर सदन में पूर्ण सहमति बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है और आगे कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों की इस पर प्रतिक्रिया देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से पूर्ण बहस की अनुमति देने और ठोस उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस पर दलगत राजनीति छोड़कर सभी पार्टियों को साथ बैठना चाहिए और अगले 5-10 साल के लिए एक ठोस प्लान बनाना चाहिए।

पूर्व गृह मंत्री शिवराज पाटिल का निधन, 90 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली ,12 दिसंबर (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल का शुक्रवार सुबह लातूर में 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे और घर पर ही उपचाररत थे। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री समेत कई अहम पद संभाले। पाटिल लातूर लोकसभा सीट से सात बार सांसद चुने गए और महाराष्ट्र की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण स्थान रहा।

12 अक्टूबर 1935 को चाकुर (लातूर) में जन्मे पाटिल ने आयुर्वेद और कानून की पढ़ाई की। उनका राजनीतिक सफर 1967 में लातूर नगर पालिका से शुरू हुआ। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों में उन्होंने रक्षा, वाणिज्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण विभागों में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। 1991 से 1996 तक वे लोकसभा अध्यक्ष रहे और इस दौरान सदन के आधुनिकीकरण व सीधा प्रसारण जैसी पहलें आगे बढ़ाईं। 2004 में चुनाव हारने के बाद भी वे गृह मंत्री बने, लेकिन 2008 के मुंबई हमलों के बाद इस्तीफा दे दिया।

जमीन का फर्जी एग्रीमेंट दिखाकर 78.97 लाख रुपये ठगने वाला गिरफ्तार, 5 साल से था फरार

अंबिकापुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। दूसरों की जमीन दिखाकर 78.97 लाख रुपये की ठगी के आरोपित निकुंज गुप्ता को गांधीनगर थाना और साइबर सेल की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित फरार था। फर्जी एग्रीमेंट बनाकर ठगी करता था। थाना गांधीनगर में सत्तीपारा निवासी एक महिला ने वर्ष 2020 में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके पति के एसईसीएल भटगांव से सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने अंबिकापुर के आसपास फार्म हाउस और मकान बनाने के लिए जमीन तलाशना शुरू किया।

इसी दौरान उनका परिचय दत्ता कॉलोनी निवासी निकुंज गुप्ता से हुआ। आरोपित ने रायल पार्क कालोनी के पीछे करीब पौने दस डिसमिल भूमि दिखाते हुए उसे अनिल अग्रवाल की जमीन बताया। साथ ही झांसा दिया कि भूमि स्वामी की बहन कैंसर से पीड़ित है और इलाज के लिए वह जमीन बेचना चाहता है।

14 से 17 दिसंबर तक छत्तीसद विधानसभा में चलेगा शीतकालीन सत्र

शीतकालीन सत्र में विपक्ष को अधिक सक्रिय होने का अवसर : रमन सिंह

रायपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। नवा रायपुर में बने नए विधानसभा भवन में 14 से 17 दिसंबर तक होने वाले शीतकालीन सत्र को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने अपनी बात को सदन में उठाने के लिए 628 प्रश्न विधानसभा भेज दिए हैं। इनमें से 333 तारांकित और 295 अतारांकित प्रश्न हैं। विधानसभा में ऑनलाइन सवाल पूछने वाले विधायकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

इस बार ऑनलाइन पूछे गए सवालों की संख्या 96.17 प्रतिशत है। सिर्फ 3.83 प्रतिशत सवाल ऑफ लाइन पूछे गए हैं। विधानसभा को सदस्यों से ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की 48, नियम 139 के अधीन अविलंबीय लोक महत्व के विषय पर चर्चा के लिए एक, अशासकीय संकल्प की नौ, शून्य की चार और याचिका की 77 सूचनाएं मिली हैं।

पहले दिन सदन में छत्तीसगढ़ विजन 2047 पर चर्चा होगी। 15 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम अनुपूरक अनुमान पेश किया जाएगा। 16 दिसंबर को अनुपूरक मांगों पर चर्चा और संबंधित विनियोग विधेयक का पुरस्थान, विचार और पारित किया जाएगा। सत्र में छत्तीसगढ़ दुकान व स्थापना (नियोजन व सेवा शर्तों

का विनियम (संशोधन) विधयेक-2025) पेश किया जाएगा। विभागों से प्राप्त प्रतिवेदनों पर पटल पर रखा जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने गुरुवार को नए विधानसभा भवन में पत्रकारों से बातचीत में शीतकालीन सत्र की जानकारियां और अपने विजन को साझा किया। उन्होंने कहा कि शनिवार और रविवार को सामान्य तौर पर सदन का अवकाश रहता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर्तव्य बोध के आह्वान से प्रेरित होकर रविवार को भी सदन की कार्यवाही के लिए सुनिश्चित किया गया है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा की पहली बैठक 14 दिसंबर 2000 को राजकुमार कालेज के जशपुर हाल में हुई थी। उन्होंने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि सदन में 70 से 80 प्रतिशत स्पेस विपक्ष के लिए आरक्षित होता है। विपक्ष को चाहिए कि सत्ता पक्ष से अधिक से अधिक प्रश्न पूछे और जनता के मुद्दे उठाए। मीडिया के माध्यम से जनता तक अपनी बातें पहुंचाकर सदन को और प्रभावी बनाए। उन्होंने कहा कि विधानसभा परिसर में एक विशेष इतिहास और संस्कृति कारिडोर बनाया जाएगा, जिसमें प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा प्रदर्शित की जाएगी।

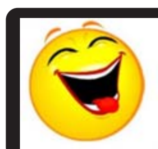

वाह वाह

पप्पू- यार कल शाम को भाभी तुझे इतना क्यों मार रही थी?

गप्पू- क्या बताऊं सरकारी नौकरी करते करते मेरा भी दिमाग खराब हो गया है।

पप्पू- लेकिन हुआ क्या?

गप्पू- कल गर्लफ्रेंड को लेटर लिखा और प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पत्नी को भी भेज दी...

बिलासपुर रेल हादसा में बड़ी कार्रवाई, बिलासपुर डीआरएम सहित दो बड़े अफसरों का किया तबादला

बिलासपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। बिलासपुर रेल हादसे में रेलवे बोर्ड ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिलासपुर डीआरएम सहित 2 बड़े अफसरों का तबादला किया है. यह कार्रवाई कमीशन ऑफ रेलवे सेफ्टी की प्राथमिक रिपोर्ट के बाद की गई है.

4 नवंबर को बिलासपुर के समीप लाल खदान में खड़ी मालगाड़ी से मेमू लोकल जा टकराई थी. हादसे में लोको पायलट विद्यासागर समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी. बताया जा रहा है कि हादसे के बाद रेलवे बोर्ड द्वारा गठित सीआरएस की रिपोर्ट में 'Error In Train Operation' (ट्रेन संचालन

में खामी) को दुर्घटना की मुख्य वजह माना गया है.

रिपोर्ट के आने के बाद रेलवे बोर्ड ने कार्रवाई करते हुए एक दिन पहले देर शाम बिलासपुर डीआरएम राजमल खोईवाल के स्थान पर वेस्टर्न रेलवे से उमेश कुमार को नियुक्त किया है. वहीं प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता राजीव कुमार बर्नवाल का ईस्ट सेंट्रल रेलवे में ट्रांसफर कर उनके स्थान पर आरके चौधरी को नियुक्त किया गया है. इसके पहले रेलवे बोर्ड ने सीनियर डीओपी मसूद आलम को फोर्स लीव पर भेजते हुए उनके स्थान पर शशांक कोष्टा को सीनियर डीओपी नियुक्त किया था.

पत्नी की सब्बल से हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

बिलासपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। कोनी क्षेत्र के ग्राम लोफंदी में एक युवक ने तीन बच्चों के सामने अपनी आठ महीने की गर्भवती पत्नी की सब्बल से हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपित वहां से भाग निकला और पुणे जाने की फिराक में था। पुलिस ने गांव के बाहर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। कोनी टीआई भावेश शेंडे ने बताया कि तखतपुर क्षेत्र के ग्राम खपरी निवासी जितेंद्र केंवट (33) रोजी-मजदूरी करता है। उसकी शादी लोफंदी निवासी पुसउ केंवट की बेटी संतोषी (28) से 2016 में हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। अक्टूबर में जितेंद्र पुणे गया था, उस समय संतोषी गर्भवती थी। इसी कारण पुसउ उसे लोफंदी लेकर आ गया। संतोषी सब्जी के खेत में काम कर रही थी।

मालिक की कंजूसी से नाराज खलासी ने बस में लगाई आग, गुमराह करने के लिए बनाया वीडियो

बिलासपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। बेलगहना चौकी क्षेत्र केंदा बंजारी घाट में गड्ढों के कारण बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजकर यात्रियों को दूसरे वाहनों से गंतव्य तक रवाना किया। इधर देर रात बस में आग लग गई। सुबह बस मालिक की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने बस के खलासी को गिरफ्तार किया है।

बेलगहना चौकी प्रभारी हेमंत सिंह ने बताया कि पेंड्रा से बिलासपुर के बीच चलने वाली दीप ट्रैवल्स की बस दो दिसंबर की रात यात्रियों को लेकर बिलासपुर आ रही थी। बस में करीब 25 यात्री थे। बस केंदा घाटी के बंजारी माता मंदिर के पास पहुंची थी, तभी सड़क पर गड्ढों के कारण बस अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर पलट गई। हादसे के बाद सवारियों में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा।

उद्योग मंत्री ने किया ऑक्सी जोन विकास कार्यों का लोकार्पण

पोड़ीबहार में 03 विकास कार्यों के भूमिपूजन सहित कुल 179 लाख रू. के विकास कार्यों की दी सौगात

कोरबा (छ.ग.गौरव)। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार बांसबाड़ी उद्यान में ऑक्सी जोन विकास कार्यो का लोकार्पण किया, वहीं पोड़ीबहार बस्ती के विभिन्न स्थानों में किए जाने वाले 03 विकास कार्यो का भूमिपूजन भी उनके हाथों किया गया। लोकार्पण भूमिपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा की गई, वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति श्री नूतन सिंह ठाकुर सहित निगम की मेयर इन काउंसिल के सदस्यगण, पार्षदगण आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा पोड़ीबहार मुक्तिधाम के सामने स्थित बांसबाड़ी उद्यान में एन.सी.ए.पी. मद से ऑक्सी जोन का निर्माण 01 करोड़ 60 लाख 11 हजार रूपये की लागत से किया गया है, जिसका लोकार्पण आज उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के हाथों किया गया। इसी प्रकार निगम द्वारा वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार में मंदिर के समीप प्रभारी मंत्री मद से 07 लाख रूपये की लागत से आर.सी.सी.छत का निर्माण, वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार अंतर्गत महालक्ष्मी इंटरप्राईजेस से सुरेशचंद मंगल के घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी.रोड व नाली का निर्माण तथा वार्ड क्र. 32 अंतर्गत यादव के घर से सी.पी.पटेल घर तक जिला खनिज न्यास मद से 06 लाख रूपये की लागत से सी.सी. रोड नाली का निर्माण किया जाना हैं, जिनका भूमिपूजन भी केबिनेट मंत्री श्री देवांगन के करकमलों से किया गया। मंत्री श्री देवांगन ने इन विकास कार्यो का विधिवत भूमिपूजन किया तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ कर पूरी गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य कराते हुए समयसीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए है। इस मौके पर दिए गए उद्बोधन में उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार राज्य के सर्वागीण विकास के लिए दृढ़संकल्पित है, विकास के सभी क्षेत्रों में हमारे छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हो रहा है, विगत दो वर्षो के दौरान पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करते हुए राज्य सरकार ने एक जनहितैषी सरकार की छबि अंकित की है। उन्होने कहा कि जहॉं तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो कोरबा का तेजी से विकास हो रहा है, यहॉं की बरसों पुरानी समस्याएं दूर हो रही हैं तथा कोरबा के विकास के लिए धनराशि की कोई कमी भविष्य में भी नहीं होने दी जाएगी, यह मैं आश्वस्त करता हूॅं। इस मौके पर मंत्री श्री देवांगन ने महापौर श्रीमती राजपूत के आग्रह पर उक्त ऑक्सी जोन बांसबाड़ी के बाउण्ड्रीवाल निर्माण की घोषणा भी की।

आमजन की समस्याओं को दूर करना सर्वोच्च प्राथमिकता - इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोरबा की देवतुल्य जनता की समस्याओं को दूर करना, उन्हें समस्त मौलिक सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है, मेरा सौभाग्य है कि हमें प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव एवं कोरबा के लाडले विधायक व प्रदेश के उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन का लगातार मार्गदर्शन, सहयोग व आशीर्वाद कोरबा के विकास के लिए मुझे प्राप्त हो रहा है। निर्माण कार्यो हेतु धनराशि की कोई कमी नहीं हो रही है तथा हम निर्माण कार्यो से संबंधित जो भी मांग उनके सामने रखते हैं, वह प्राथमिकता के साथ पूरी होती है।

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान सभापति नूतन सिंह ठाकुर के साथ ही वरिष्ठ पार्षद अशोक चावलानी, एम.आई.सी. सदस्य अजय गोंड़, ममता यादव, चन्द्रकली जायसवाल, राकेश वर्मा, प्रताप सिंह कंवर, रामकुमार साहू, पकंज देवांगन, लक्ष्मण श्रीवास, मण्डल अध्यक्ष राजेश राठौर, योगेश मिश्रा, अजय विश्वकर्मा, दीपनारायण सोनी, प्रदीप राय जायसवाल, नरेन्द्र पाटनवार, आकाश श्रीवास्तव, दिनेश वैष्णव, आरिफ खान, रामकिशोर यादव, तुलसी ठाकुर, प्रकाश अग्रवाल, अजय पाण्डेय, नारायण सिंह ठाकुर, ईश्वर साहू, श्रीधर द्विवेदी, अनिल वस्त्रकार, प्रकाश अग्रवाल, धर्मपाल सोलंकी, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, कार्यपालन अभियंता एन.के.नाथ, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, राहुल मिश्रा आदि के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 21 दिसम्बर को

कलेक्टर की अध्यक्षता में 16 दिसंबर को जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में 21 दिसम्बर 2025 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अभियान के सफल संचालन हेतु कलेक्टर अजीत वसंत की अध्यक्षता में 16 दिसंबर 2025 को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में दोपहर 01 बजे जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। गौरतलब है कि भारत सरकार एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निर्माण भवन नई दिल्ली के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 21 दिसम्बर 2025 को आयोजित किया गया है। अभियान के प्रथम दिवस पोलियो बूथ में तथा मॉप अप दिवसों 22 व 23 दिसंबर 2025 को गृह भेंटकर 0 से 05 वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया जाएगा।

वर्ष का अंतिम लोक अदालत का आयोजन 13 दिसंबर को

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त जानकारी अनुसार राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वर्ष 2025 में अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसम्बर को आयोजित की जावेगी। ज्ञात हो कि लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहां न्यायालयीन प्रकरणों का सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौता कर सालों के विवाद का त्वरित निपटारा किया जाता है। इस क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा इस वर्ष के अंतिम लोक अदालत का आयोजन 13 दिसम्बर को किया जा रहा है। आयोजित होने वाले लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, दिवानी मामले, चेक बाउंस के मामले, यान वसूली के मामले, मोटर दुर्घटना दावा, ट्राफिक चालान का निराकरण होगा, साथ ही ऐसे मामले जो न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए है, प्री-लिटिगेशन के माध्यम से उनका भी निराकरण किया जायेगा। इसमें बैंक वसूली, विद्युत बकाया, जल एवं कर सम्पति बकाया, टेलीफोन बिल जैसे मामले शामिल रहेगें।

एनकेएच में ह्रदय रोगियों को मिल रहा बड़े शहरों जैसा उपचार

एक दिन में 4 एंजियोग्राफी व 1 एंजियोप्लास्टी, तुरंत इलाज से घटी लाइफ रिस्क

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल एनकेएच में कैथलैब की सुविधा शुरू होने के बाद से हृदय रोगियों को अब बड़े शहरों की तरह अत्याधुनिक इलाज की सुविधा मिल रही है। इससे मरीजों को रायपुर या बिलासपुर जैसे शहरों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। कम समय में अपने ही शहर में इलाज उपलब्ध होने से कई मरीजों की जीवन रक्षा संभव हो रही है।

ठंड के मौसम में पिछले एक सप्ताह के भीतर हृदय संबंधी परेशानियों के 30 से अधिक मरीज एनकेएच पहुंचे, जिनमें से सभी को तुरंत उपचार शुरू किया गया। कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. एस.एस. मोहंती के नेतृत्व में आवश्यक परीक्षण के बाद 4 मरीजों की एंजियोग्राफी की गई, जिनमें से 1 मरीजों की एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की गई। अब सभी मरीज पूरी तरह स्वस्थ हैं। रायपुर के सुपर स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश सूर्यवंशी, डॉ. एस.एस. मोहंती व डॉ. दीपक कुमार नियमित रूप से एनकेएच में सेवाएं दे रहे हैं। ये विशेषज्ञ हर माह 4 से 6 बार विजिट करते हैं और आपात स्थिति में भी तुरंत पहुंचकर मरीजों का इलाज करते हैं। एनकेएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने बताया कि अब कोरबा के मरीजों को बाहर जाने की जरूरत नहीं रही। समय और खर्च दोनों की बचत हो रही है और त्वरित इलाज मिलने से मरीजों की लाइफ रिस्क में भारी कमी आई है। उन्होंने बताया कि कार्डियोलॉजी विभाग में संचालित यह कैथलैब जिले की पहली ऐसी लैब है, जहां हृदय रोगों से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। अब कोरबा में भी बड़े शहरों जैसी हृदय उपचार सुविधाएं मरीजों को जीवनदान मिल रहा है।

सिमगा के विद्यार्थियों के जीवन में लौटी शिक्षा की नई उम्मीद

युक्ति युक्तकरण से व्याख्याता और प्राचार्य की नियुक्ति से ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों को राह हुई आसान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के दूरस्थ क्षेत्र पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सिमगा में वर्ष 2014 से संचालित हायर सेकंडरी स्कूल अब शिक्षा का एक मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। सिमगा, घोसरा और आसपास के लगभग दस किलोमीटर दायरे के गाँवों से विद्यार्थी यहां पढ़ने आते हैं। विद्यालय में कुल 178 विद्यार्थी दर्ज हैं, जिनमें से लगभग सभी अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं। यह विद्यालय ग्रामीण और वनांचल क्षेत्र के बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

लंबे समय तक विद्यालय में अंग्रेजी और वाणिज्य विषय के व्याख्याता नहीं थे, जिसके कारण विद्यार्थियों को इन विषयों की नियमित कक्षाएँ प्राप्त नहीं हो पाती थीं। इससे उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी पहल पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अतिशेष शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का निर्णय लिया गया। इसी प्रक्रिया के अंतर्गत सिमगा हायर सेकंडरी स्कूल को अंग्रेजी विषय के व्याख्याता के रूप में श्री रमाकांत कुशरो और वाणिज्य विषय की व्याख्याता के रूप में श्रीमती रुकमणी पुरैना की नियुक्ति मिली। इन शिक्षकों के आने के बाद विद्यालय का माहौल सकारात्मक रूप से बदलने लगा और पढ़ाई की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला। ग्राम सिमगा की सरपंच गायत्री आयाम और ग्राम पंचायत घोंसरा की शाम बाई बिंझवार ने बताया कि नए व्याख्याता आने से स्कूल में पढ़ाई का वातावरण काफी बेहतर हुआ है। विद्यार्थियों में उत्साह दिखाई दे रहा है और उनकी रुचि भी बढ़ी है। कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियोंकृलक्ष्मी, साहिल, आशु, सोनिया, दिल कुमार, रमी सिंह, रितेश, जय कुमारी, समिता, याचना और विकासकृने भी कहा कि पहले नियमित शिक्षक न होने के कारण उनकी पढ़ाई बाधित होती थी, लेकिन अब अंग्रेजी और वाणिज्य दोनों विषयों की अच्छी तरह पढ़ाई हो रही है।

विद्यालय में वर्षों से नियमित प्राचार्य का अभाव भी था। हाल ही में श्री सतीश प्रकाश सिंह के नियमित प्राचार्य के रूप में पदस्थ होने से विद्यालय में नवाचार की शुरुआत हुई है। उन्होंने पदस्थापन के साथ ही विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा व रोजगार के प्रति जागरूक करने का अभियान प्रारंभ किया है। प्राचार्य श्री सिंह स्वयं भी विद्यार्थियों को कैरियर मार्गदर्शन दे रहे हैं और विशेषज्ञों को बुलाकर नई दिशा प्रदान कर रहे हैं। उनका कहना है कि तकनीकी युग में ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रेरित और समर्थ बनाना आवश्यक है। सिमगा हायर सेकंडरी स्कूल आज बदलाव की उस यात्रा पर है, जहाँ शिक्षा के माध्यम से बच्चों के भविष्य में नई चमक पैदा हो रही है। नियमित शिक्षकों की उपलब्धता, सक्रिय प्राचार्य और सकारात्मक वातावरण ने इस विद्यालय को दूरस्थ क्षेत्र में भी शिक्षा का मजबूत आधार बना दिया है। अब शिक्षको की उपलब्धता सुनिश्चित होने से विद्यार्थियों के साथ ही उनके पालकों में भी खुशी है।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। माता-पिता से आप अपने मन की बातों को साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। साथ ही उनके सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे अच्छा महसूस करेंगे। आज कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कोई शुभ समाचार मिलने की सम्भावनाहै। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा।

सिंह राशिः आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे। कोई नया अनुभव आपको मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढेगा, लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बना के रखें, किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप नयी जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज दिन सुखद बीतेगा। पारिवार के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजन संबंधी यात्रा का प्रोग्राम बनेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। आज बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताये । आज कोई भी पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशिः आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरी पेशा वाले लोगों की अच्छी इनकम होगी। प्रोपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के उपरांत काम बन जायेगा। सगे सम्बन्धियों से अच्छे तालमेल बनेंगे। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है। क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी तथा आवेश पूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने की बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे।

मीन राशिः आज आपका मन उत्साहित रहेगा। जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे है, उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे ।

व्यवस्थित धान खरीदी से किसान महिपाल सिंह को हुआ सुगम लाभ

सर्वाधिक समर्थन मूल्य और साफ-सुथरी खरीदी व्यवस्था का मिला लाभ- किसान

कोरबा (राज्यभूमि)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में धान खरीदी व्यवस्था कोरबा जिले में पहले से अधिक व्यवस्थित और सटीक रूप में संचालित हो रही है। कोरबा विकासखण्ड के जामबहार के मेहनतकश किसान श्री महिपाल सिंह भी इस सुव्यवस्थित प्रक्रिया से लाभान्वित हुए हैं। 6 एकड़ कृषि भूमि में मेहनत कर उपज तैयार करने वाले महिपाल सिंह ने इस वर्ष सोनपुरी उपार्जन केंद्र में 90 क्विंटल धान का विक्रय किया।

किसान महिपाल सिंह ने खरीदी के दौरान मिली त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना की। उनका कहना है कि केंद्र में वजन, पंजीयन और विक्रय की प्रक्रिया बिना किसी विलंब के पूरी हुई। उनके लिए सबसे उपयोगी साबित हुई ऑनलाइन टोकन व्यवस्था। इस सुविधा के कारण समिति के बारदूबार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। टोकन में मिले समय पर पहुँचने से उनका धान तुरंत खरीदा गया और अनावश्यक प्रतीक्षा से बचाव हुआ। महिपाल ने बताया कि यह बदलाव खेत से बाजार तक की प्रक्रिया में समय और श्रम दोनों की बचत करता है। इस वर्ष सरकार द्वारा घोषित सर्वाधिक समर्थन मूल्य का लाभ मिलने पर भी वे संतुष्ट दिखाई दिए। उनका कहना है कि मेहनत की फसल जब निर्धारित मूल्य पर साफ-सुथरी प्रक्रिया के साथ बिकती है, तो पूरे वर्ष की परिश्रम का उचित फल मिलता है। महिपाल ने बताया कि पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 80-90 क्विंटल धान बेचा था एवं इस बार उपार्जन केंद्र की उन्नत सुविधाओं और सुचारू खरीदी प्रक्रिया ने उनके अनुभव को पूरी तरह बदल दिया। केंद्र में बेहतर व्यवस्था, सटीक माप-तौल और समय पर भुगतान ने उनमें नया विश्वास और उत्साह जगाया है। उन्ह कहा कि पारदर्शी और तेज खरीदी प्रणाली न केवल खेती को नई उम्मीद और स्थिरता दे रही है, बल्कि किसानों को उनके परिश्रम का उचित मूल्य दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा जारी निर्देश के अनुपालन में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए अर्हता तिथि 01.01.2026 के संदर्भ में चल रहे निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है। आयोग के निर्देशों की छायाप्रति पत्र के साथ संलग्न कर संबंधित कार्यालयों को प्रेषित की गई है।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन दिनांक 23 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को किया जाएगा। इसके पश्चात दावों एवं आपत्तियों के निराकरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद 21 फरवरी 2026 (शनिवार) को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अजीत वसंत द्वारा निर्देशित किया गया है कि आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए एवं समस्त कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपादित किए जाएँ।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग
सामान्य वन मंडल धरमजयगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सर्व सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि वन मंडल धरमजयगढ़ के काष्ठागार धरमजयगढ में उपलब्ध ईमारती एवं जलाऊ लकड़ी का दर्शित तिथि समय में ई-नीलाम किया जावेगा।

1. नीलाम दिनांक - 23.12.2025
2. नीलाम समय - प्रातः 09:00 बजे से प्रारंभ

अ. क.	प्रजाति	नया वनोपज		पुराना वनोपज		योग वनोपज	
		लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में	लट्ठा घ.मी. में	बल्ली नग में
1	2	3	4	5	6	7	8
1	सागौन	10.000	0	135.806	0	145.806	0
2	साल	100.000	150	2434.642	3842	2534.642	3992
3	बीजा	0	0	157.114	0	157.114	0
4	खम्हार	0	0	0.932	0	0.932	0
5	साजा	0	0	50.904	860	50.904	860
6	हल्दू	0	0	19.654	0	19.654	0
7	धावड़ा	0	0	29.382	131	29.382	131
8	सलिहा	0	0	79.150	0	79.150	0
9	अन्य	0	0	185.724	1477	185.724	1477
10	आर.टी.एल	0	0	0	0	0	0
	योग :-	110.000	150	3093.308	6310	3203.308	6460
11	जलाऊ	200 चट्टा	—	2096 चट्टा	0	2296 चट्टा	—

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम की शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय में डिपो से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त मात्रा में कमी अधिकता संभव है।

वनमण्डलाधिकारी
धरमजयगढ़ वनमण्डल

जी-252605394/1

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला नई दिल्ली में एक इवेंट में लोगों को संबोधित करते हुए।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन सेंटर फॉर स्पेस फिजिक्स के एक म्यूजियम में गए।

रोशनी के त्योहार दीपावली को यूनेस्को की इंसानियत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की रिप्रेजेंटेटिव लिस्ट में शामिल किए जाने के बाद एक सेलिब्रेशन के दौरान केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत (बीच में) और दूसरे लोग। इस खास टैग को मिलने की खुशी में जश्न मनाया गया।

नई दिल्ली में पूर्व गृह मंत्री सी राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देने के लिए संविधान सदन में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला (बाएं), कांग्रेस सांसद जयराम रमेश (दाएं), भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आज़ाद, यूसुफ पठान, डोला सेन, सागरिका घोष, सायोनी घोष और अन्य सांसदों ने नई दिल्ली में संसद के विंटर सेशन के दौरान मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पश्चिम बंगाल को दिए गए फंड पर सरकार से व्हाइट पेपर लाने की मांग करते हुए कोरे व्हाइट पेपर पकड़े हुए प्रोटेस्ट किया।

स्टारलिंक की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने नई दिल्ली में केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम सिंधिया से मुलाकात की।

नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम जिया पर दिख रहा इलाज का असर, विदेश ले जाने पर अभी फैसला नहीं

ढाका,12 दिसंबर(एजेंसी)। बांग्लादेश की गंभीर रूप से बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया इलाज का 'सकारात्मक' रूप से जवाब दे रही हैं, लेकिन उन्हें विदेश ले जाकर उपचार देने पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। यह जानकारी उनकी निजी चिकित्सा टीम के प्रमुख डॉक्टर ने बुधवार (10 दिसंबर) को दी है।

इलाज पर रिस्पॉन्ड कर रहीं हैं जिया

80 वर्षीय जिया, जो बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (क्र्ह्क्क) की अध्यक्ष हैं, 23 नवंबर से ढाका के एवरेकयर अस्पताल में कई स्वास्थ्य समस्याओं के चलते भर्ती हैं। उनके निजी चिकित्सक और क्र्ह्क्कको स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य ए. जेड. एम. जाहिद हुसैन ने अस्पताल के बाहर मीडिया से कहा, 'उन्हें वही इलाज दिया जा रहा है, जो किसी गंभीर रोगी को दिया जाता है। चिकित्सकीय रूप से वह इलाज का जवाब दे रही हैं, जैसा पहले भी हुआ था।

विदेश ले जाने पर फिलहाल फैसला नहीं

उन्होंने बताया कि विदेशी डॉक्टर भी इलाज की निगरानी में शामिल हैं और मेडिकल बोर्ड रात में बैठकें कर निर्णय ले रहा है। उनके अनुसार, तीन बार प्रधानमंत्री रहीं जिया इस समय आईसीयू में उपचारत हैं। डॉ. हुसैन ने कहा कि उन्हें विदेश ले जाने की संभावना बनी हुई है, लेकिन इस बारे में कोई तारीख तय नहीं हुई

है। उन्होंने अपील की है कि अनुमानों और अफवाहों से बचें। अभी निश्चित तारीख बताने का समय नहीं आया है।

तीनों देशों के डॉक्टर्स की टीम कर रही निगरानी

जिया के इलाज की निगरानी कार्डियोलॉजिस्ट शहाबुद्दीन तलुकदार की अगुवाई में बने मेडिकल बोर्ड द्वारा की जा रही है, जिसमें बांग्लादेश, ब्रिटेन, अमेरिका और चीन के विशेषज्ञ शामिल हैं।उनकी बहू और पेशे से डॉक्टर जुबैदा रहमान भी लंदन से 5 दिसंबर को ढाका लौटने के बाद से बोर्ड की बैठकों में व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रही हैं।

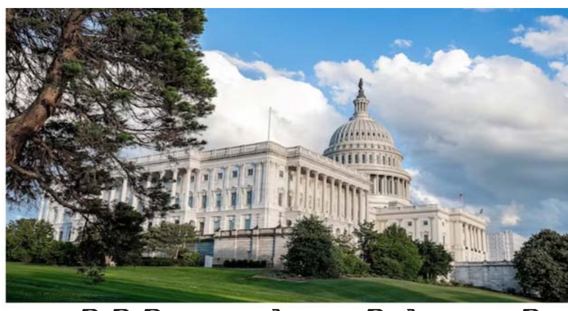

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित, सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन,12 दिसंबर (एजेंसी)। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं।

इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं।

पाकिस्तान का एफ-16 लड़ाकू विमान होगा अपग्रेड, 686 मिलियन डॉलर की डील पर आगे बढ़ा अमेरिका

वाशिंगटन,12 दिसंबर(एजेंसी) ।ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी कांग्रेस को पाकिस्तान के एफ-16 लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए 686 मिलियन डॉलर की प्रस्तावित हथियार बिक्री की सूचना दी है। इससे यह पैकेज 30-दिन की अनिवार्य समीक्षा अवधि में चला गया है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के इस कदम ने वैश्विक स्तर पर हलचल बढ़ाई है।रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) ने हाउस स्पीकर माइक जॉनसन, सीनेट विदेश संबंध समिति के चेयरमैन जेम्स रिश और हाउस विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन ब्रायन मास्ट को इस संबंध में सूचना दी है। एजेंसी ने पत्रों में कहा कि अमेरिकी वायुसेना पाकिस्तान को लगभग 686 मिलियन डॉलर की 'रक्षा सामग्री और सेवाओं के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) जारी करने वाली है, जिसकी अनुमानित लागत 686 मिलियन डॉलर है।प्रस्तावित पैकेज में 37 मिलियन डॉलर के प्रमुख रक्षा उपकरण (एमडीए) और 649 मिलियन डॉलर के अतिरिक्त हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और लॉजिस्टिकल सपोर्ट शामिल हैं। एमडीए सूची में 92 लिंक-16 टेक्निकल डेटा लिंक सिस्टम भी शामिल हैं। यह एक जैम-प्रतिरोधी डिजिटल नेटवर्क है, जिसका उपयोग अमेरिकी और सहयोगी सेनाएं वास्तविक समय में युद्धक्षेत्र की जानकारी शेयर करने के लिए करती हैं।छह एमके-82 इनर्ट के अलावा 500-पाउंड बम बॉडी भी शामिल हैं, जो बिना गाइड वाले और कम ड्रैग वाले प्रशिक्षण हथियार हैं। इनका इस्तेमाल विशेष रूप से इंटीग्रेशन और रिलीज परीक्षण के लिए किया जाता है।

अंटार्कटिका के नीचे रोबोटिक मिशन ने गर्म धाराओं का रहस्य किया उजागर, वैश्विक जलवायु चिंताओं को बढ़ाया

वॉशिंगटन,12 दिसंबर (एजेंसी)। अंटार्कटिका के नीचे रोबोटिक मिशन ने गर्म धाराओं का रहस्य उजागर किया है, जिसके बाद वैश्विक जलवायु चिंताओं को बढ़ा दिया है। वहीं समुद्र-स्तर बढ़ने की वैश्विक चिंता और गहरी हो गई है।

अंटार्कटिका की डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे पहली बार किए गए रोबोटिक सर्वे ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि गर्म और खारा गहरा समुद्री जल बर्फ के बिल्कुल निचले हिस्सों तक बिना किसी बड़े मिश्रण के क्षैतिज रूप से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंच रहा है। वह संवेदनशील इलाका है जहां ग्लेशियर समुद्र तल को छोड़कर तैरना शुरू करता है।

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन ने पिघलन की वास्तविक प्रक्रिया को समझने की दिशा में बड़ा मोड़ दिया है और समुद्र-स्तर में भविष्य की वृद्धि के अनुमानों को लेकर वैज्ञानिक समुदाय को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यूईए के वैज्ञानिकों ने 2022 में बोटी मैकबोटफेस नामक पानी के भीतर चलने वाले उन्नत स्वायत्त रोबोट की मदद से अमुंडसेन सागर में स्थित डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे लगभग 100

मिशन ने समुद्री तल से करीब 100 मीटर ऊपर रहकर तापमान, लवणता, ऑक्सीजन स्तर, धारा की रफ्तार और जल मिश्रण के आंकड़े जुटाए जो अब तक अंटार्कटिका की कठिन परिस्थितियों में लगभग असंभव माने जाते थे।डॉटसन विश्व के उन क्षेत्रों में गिना जाता है जहां ग्लेशियर सबसे तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र की गहराइयों से आने वाली गर्मी को इसका प्रमुख कारण बताया जाता है। लेकिन अब इस शोध ने दिखाया कि गर्मी किस तरह बर्फ के आधार तक पहुंचती है, यह हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा जटिल है।गर्म पानी ऊपर नहीं उठता, सीधे ग्राउंडिंग लाइन की ओर बहता है

सबसे बड़ा खुलासा यह है कि गर्म, गहरा और अधिक खारा पानी पारंपरिक धारणा के विपरीत ऊपर की ओर मिलकर पिघलन नहीं बढ़ाता, बल्कि क्षैतिज दिशा में तेजी से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग

लाइन तक पहुंचता है। इसका मतलब है ग्लेशियर नीचे से अधिक पिघलते हैं। उनकी संरचना तेजी से कमजोर होती है तथा पीछे हटने की रफ्तार बढ़ती है और समुद्र में बर्फ का नुकसान कई गुना बढ़ता है। यह प्रक्रिया वैश्विक समुद्र-स्तर बढ़ोतरी में बड़ा योगदान देती है, क्योंकि अमुंडसेन सागर बेसिन में होने वाला बर्फ-नुकसान अकेले पृथ्वी के भविष्य का समुद्र-स्तर तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है।

समुद्री धारा की गति नहीं, समुद्री तल की ढलान असली खिलाड़ी

रोबोट ने 5-10 सेंटीमीटर प्रति सेकंड की समुद्री धारा दर्ज की। वैज्ञानिकों का अनुमान था कि तेज धारा ही पानी के मिश्रण को नियंत्रित करती है, लेकिन निष्कर्ष इसके बिल्कुल विपरीत निकले। समुद्र तल की ढलान कभी-कभी 45 डिग्री तक ही गर्म पानी को ऊपर धकेलने या नीचे रोके रहने का वास्तविक कारक है। जहां ढलान तीव्र है, वहां गर्म पानी कुछ ऊंचाई तक मिश्रित होता है। बाकी विशाल कैविटी में गर्म पानी बिना मिश्रण के ज्यों का त्यों ग्लेशियर के आधार तक पहुंच जाता है। यह निष्कर्ष पिघलन के ज्यामितीय और भौतिक विज्ञान को नए आयाम देता है।

ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र वालों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला बैन लागू किया

सिडनी ,12 दिसंबर (एजेंसी) ।ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर दुनिया का पहला बैन बुधवार को लागू हो गया। इस बैन के अंतर्गत फेसबुक, यूट्यूब, टिकटॉक और एक्स सहित 10 बड़े प्लेटफॉर्म को उन्हें अकाउंट बनाने से रोकना होगा। मंगलवार को पूरे ऑस्ट्रेलिया के स्टूडेंट्स को एक वीडियो मैसेज में, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि सरकार ने यह बदलाव उन बच्चों की मदद के लिए किया है जो एल्गोरिदम, अंतहीन सोशल मीडिया फीड और उनसे आने वाले दबाव के साथ बड़े हुए हैं।

उन्होंने स्टूडेंट्स को यह भी सलाह दी कि वे आने वाली स्कूल की छुट्टियों का पूरा फायदा उठाएं, बजाए इसके कि अपना सारा समय फोन पर स्क्रॉल करने में बिताएं।अल्बनीज ने कहा, 'कोई नया खेल शुरू करें, कोई नया म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट सीखें, या वह किताब पढ़ें जो कुछ समय से आपकी शेल्फ पर पड़ी है। और सबसे जरूरी बात, अपने दोस्तों और परिवार के साथ आमने-सामने क्वालिटी टाइम बिताएं।' एजेंसी के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय संसद ने पिछले साल नवंबर में ऑनलाइन सुरक्षा संशोधन (सोशल मीडिया न्यूनतम आयु) विधेयक 2024 पारित किया था, जिसमें कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए 'उचित कदम' उठाने की जरूरत है। जो प्लेटफॉर्म इसका पालन नहीं करते हैं, उन पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 32.8 मिलियन डॉलर) तक का जुर्माना लग सकता है। 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए, जो उम्र-प्रतिबंधित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं, या उनके माता-पिता या देखभाल करने वालों के लिए कोई सजा नहीं है। अब तक, 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस बैन को लागू करने का निर्देश दिया गया है। इसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, ट्विच, एक्स, यूट्यूब, किक और रेडिट शामिल हैं। अधिकारी जरूरत के हिसाब से लिस्ट को अपडेट कर सकते हैं।

एक हालिया पोल से पता चलता है कि सोशल मीडिया बैन को जनता का व्यापक समर्थन मिला है, जिसमें 73 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई इसके समर्थन में हैं। फिर भी, केवल 26 प्रतिशत को ही भरोसा है कि यह उपाय काम करेगा, और 68 प्रतिशत का मानना है कि बच्चे इससे बचने का रास्ता निकाल लेंगे। ऑस्ट्रेलियाई-आधारित ग्लोबल डेटा, इनसाइट्स और डिजिटल मीडिया कंपनी प्योरप्रोफाइल द्वारा दिसंबर की शुरुआत में जारी किए गए पोल के अनुसार, शिक्षकों (84 प्रतिशत) और माता-पिता (75 प्रतिशत) के बीच समर्थन सबसे ज्यादा है, लेकिन 16 से 24 साल के लोगों में यह घटकर 62 प्रतिशत हो जाता है।

पालन करने पर सहमत होने के बावजूद, ज्यादातर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस उपाय का विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि बैन को लागू करना मुश्किल है और यह युवाओं को इंटरनेट के अंधेरे कोनों में धकेल सकता है। ग्लोबल ऑनलाइन फोरम रेडिट ने मंगलवार को कहा कि वह कानून का पालन करेगा, लेकिन इसके 'दायरे, प्रभावशीलता और प्राइवेसी के असर' से असहमत है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के टीनएजर्स पर सोशल मीडिया बैन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है, जिसमें डेनमार्क, मलेशिया, ब्राजील, इंडोनेशिया और न्यूजीलैंड सहित कई देश कथित तौर पर इसी तरह के उपायों पर विचार कर रहे हैं।

25 मौतों के बाद गोवा सरकार सख्त, रोमियो लेन क्लब होगा जमींदोज, मालिकों को भारत लाने की तैयारी

पणजी,12 दिसंबर (एजेंसी)। गोवा के नाइट क्लब में हुए भीषण अग्निकांड में 25 लोगों की जान जाने के बाद राज्य सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने लूथरा ब्रदर्स के विवादित 'रोमियो लेन बीच क्लब' को तत्काल प्रभाव से जमींदोज करने का आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिले निर्देशों के मुताबिक, सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने इस क्लब को मंगलवार को ही गिरा दिया जाएगा, जिसके लिए के साथ पूरी तैयारी कर ली है।

11 माह बाद सामने आई मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुई मजबूर, वेनेजुएला के लोगों ने क्या कहा?

वॉशिंगटन,12 दिसंबर (एजेंसी)। ओस्लो वेनेजुएला की विपक्षी नेता और नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरीना मचाडो 11 महीने बाद ओस्लो में सार्वजनिक तौर पर दिखीं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। जनवरी 2024 में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत और बढ़ते खतरे के कारण वह छिपकर रह रही थीं। समर्थकों ने 'फ्रीडम' के नारे लगाए।

वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे।

क्यों छिपी हुई थी मचाडो?

बता दें कि जनवरी 2024 में कराकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे खुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद

वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी।

माचाडो ने बनाई थी ये योजना

माचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया।

वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं

वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कैराकस की एक कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हर्टाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं।

नोबेल समिति ने क्या कहा?

वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

पुरस्कार समारोह में लैटिन अमेरिकी नेताओं की मौजूदगी

कार्यक्रम में अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पनामा और पराग्वे के राष्ट्रपति भी मचाडो के समर्थन में पहुंचे। नोबेल समिति ने मचाडो को 'असाधारण साहस की मिसाल' बताया और कहा कि वेनेजुएला 'क्रूर निरंकुश शासन' में बदल चुका है।

मचाडो की बेटी ने बढ़कर सुनाया उनका संदेश

उनके भाषण को उनकी बेटी ने पढ़कर सुनाया। इसमें कहा गया कि यह सम्मान पूरे वेनेजुएला के लोगों का है, और वे जल्द ही अपने परिवार और देशवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। संदेश में यह कहा कि लोकतंत्र पाने के लिए हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने की हिम्मत रखनी होगी। वहीं नोबेल समिति ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो से कहा कि जनता का फैसला मानिए और पद छोड़ दीजिए।

सम्पादकीय...

इंडिगो पर कार्रवाई

देश की सबसे बड़ी घरेलू विमानन कंपनी इंडिगो की अव्यवस्था के कारण हजारों यात्रियों को पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसका मूल कारण जो समझ में आ रहा है वह यह है कि कंपनी ने अपनी क्षमता से अधिक उड़ानों की मंजूरी सरकार से ले ली। कंपनी ने जो आश्वासन सरकार को अपनी उड़ानों को लेकर दिया, उसको पूरा नहीं कर पाई। पहले पांच दिन तो यात्री अपने सामान के लिए तथा टिकटों के लिए दिए पैसों की वापसी के लिए परेशान होते रहे। केंद्र सरकार के सख्त रवैये के कारण कंपनी ने यात्रियों को टिकटों का रिफंड और यात्रियों का सामान लौटाया। यह कार्य कंपनी को अपनी नैतिक जिम्मेवारी समझते हुए पहले ही कर देना चाहिए था। विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू द्वारा दिए आदेश अनुसार अब सर्दियों के मौसम में इंडिगो कंपनी की उड़ानों में 10 प्रतिशत कटौती कर दी गई है। खासकर उन रूट्स पर जहां उड़ानों की मांग और संख्या ज्यादा है। दिन में डीजीसीए ने इंडिगो से 5 प्रतिशत कटौती को कहा था। उसने इंडिगो से नया शेड्यूल मांगा है। कंपनी हर दिन 2200 उड़ानें ऑपरेट करती है। 10 प्रतिशत कटौती के बाद करीब 220 उड़ानें ही कम होंगी। कटौती वाले शेड्यूल दूसरी एयरलाइंस को मिलेंगे। वहीं, 10 बड़े हवाई अड्डों पर आईएएस अफसर तैनात किए गए हैं। वहीं, एनडीए सांसदों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो टूक कहा कि इंडिगो जैसा संकट दोबारा नहीं आने देंगे। सरकार कड़े कदम उठाएगी, चाहे कंपनियां इसे पसंद करें या नहीं। फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स के अध्यक्ष कैप्टन सी.एस. रंधावा अनुसार इंडिगो के पास 360 एयरबस ए320 विमान हैं। इनमें 80-विमान इंजन रिपेयर के कारण ग्राउंडेड थे। 320 विमान भी मान लें तो हर विमान पर कम से कम 7 कैप्टन और 7 फर्स्ट ऑफिसर चाहिए। यानी कुल 4480 पायलट चाहिए थे, जबकि एयरलाइन इस संख्या तक नहीं पहुंच पाई है। इसके अलावा, कुछ तकनीकी दिक्कतें भी हैं। इंडिगो ने 65 कैप्टन की कमी बताई, लेकिन 2 से 8 दिसंबर के बीच हालात उलटे थे। पायलट एयरपोर्ट पर आते रहे, पर फ्लाइट डिस्पैच ही नहीं हुआ। विमान ही नहीं थे। तीसरी बात, पायलट्स पर काम का दबाव। लाइन कैप्टन आम तौर पर 70 घंटे प्रति माह उड़ान भरते हैं, यानी लगभग 770 घंटे प्रतिवर्ष । अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से एक पायलट साल में 1000 घंटे तक उड़ान भर सकता है और सामान्यतः 800-850 घंटे उड़ान होती है। इंडिगो में दबाव काफी ज्यादा है। खासकर जब शेड्यूल तंग और क्रू कम हो। थकान जोखिम आकलन पर रंधावा ने कहा, पायलट फॉर्म भरते हैं, रिपोर्ट करते हैं, लेकिन इस पर कोई वास्तविक रेगुलेटरी निगरानी नहीं है। अब संकट ने इस विषय को फिर से उठाया है, लेकिन सिस्टम में अभी भी ठोस सुधार नहीं। रंधावा कहते हैं कि डीजीसीए को 6 प्रतिशत शेड्यूल कटौती तो नही करनी चाहिए थी, जो इंडिगो की पिछले विंटर सेशन की तुलना में ज्यादा थी और इसके बाद हालात सामान्य करने के लिए 10-15 प्रतिशत अतिरिक्त कटौती करके दूसरी एयरलाइंस को आवंटन करना चाहिए था। अभी भी दूसरी एयरलाइंस की क्षमता का डीजीसीए उपयोग, कर सकता है, जो उनका अधिकार है। इंडिगो कंपनी की अव्यवस्था के कारण हजारों यात्रियों को पिछले दिनों अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। कंपनी के सीईओ ने अब माफी मांगी है लेकिन माफी से काम नहीं चलने वाला। सरकार को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में यात्रियों को ऐसी समस्या का सामना न करना पड़े और देश की छवि भी खराब न हो।

सामाजिक सुरक्षा की ओर कदम: श्रम संहिताएँ और डिजिटल ढाँचा

जी. मधुमिता दास

सामाजिक सुरक्षा प्रणालियाँ गरीबी कम करने, मजबूती बढ़ाने और न्यायसंगत विकास को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा कवरेज प्रत्येक निवासी को, उसकी आय, रोजगार की स्थिति या जनसांख्यिकीय विशेषता की परवाह किए बिना, पेंशन, स्वास्थ्य देखभाल, बेरोजगारी भत्ता या दिव्यांगता सहायता जैसे न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच प्रदान करता है। भारत अब सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में पहले से कहीं अधिक नजदीक है-एक ऐसी प्रणाली जिसे अधिकांश राष्ट्र, यहाँ तक कि सबसे विकसित देश भी, दशकों तक निरंतर निवेश और प्रयास करने के बाद ही स्थापित कर पाए।

श्रम संहिताओं, विशेष रूप से सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के माध्यम से, देश के पास हर कामगार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचा मौजूद है —चाहे वह गिग ड्राइवर हो, फैक्ट्री कर्मचारी हो या निर्माण कार्य करने वाला प्रवासी मजदूर हो । सामाजिक सुरक्षा संहिता नौ प्रमुख कानूनों को एकल एकीकृत ढांचे में समेकित करती है। इससे प्रशासनिक जटिलता कम करने, लाभों को हस्तांतरित करने की योग्यता बेहतर बनाने, नियोक्ताओं के लिए अनुपालन सरल बनाने और निगरानी व प्रवर्तन मजबूत बनाने में मदद मिलती है। इसकी बदौलत विशेषकर असंगठित क्षेत्र के छोटे उद्यमों के कामगार — जहाँ भारत के 90त्न कामगार काम करते हैं—नौकरशाही की अड़चनों में उलझे बगैर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

यह संहिता सरकार को भी यह अधिकार देती है कि वह सभी क्षेत्रों में उद्यमों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी), मातृत्व लाभ और ग्रेच्युटी का कवरेज बढ़ा सके, ताकि अब तक असुरक्षित रहे कामगारों को लाभ मिल सके और छोटे उद्यमों में स्वैच्छिक पंजीकरण को प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष / राज्य सामाजिक सुरक्षा कोष की व्यवस्था प्रदान करती है, जहाँ सरकार का वित्तीय योगदान, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का योगदान, नियोक्ता और कर्मचारियों का योगदान एकत्रित किया जा सकता है, जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज को सहायता प्रदान कर सकता है।

लेकिन केवल कानून बनाना भर ही पर्याप्त नहीं है। जो बात वास्तव में भारत को उसके वैश्विक समकक्षों से अलग कर सकती है, वह है उसका उभरता डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तंत्र—ई-श्रम डेटाबेस और आधार प्रमाणीकरण से लेकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्लेटफ़ॉर्म तक। ये सभी उपकरण मिलकर भारत को पारंपरिक कल्याण मॉडल से आगे बढ़ने और एक पोर्टेबल, पारदर्शी, तकनीक-सक्षम कल्याण प्रणाली बनाने का अनूठा अवसर प्रदान करते हैं, जो दुनिया की किसी भी प्रणाली से अलग है।

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश सार्वभौमिकता सुनिश्चित करने के लिए हर निवासी को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं जो सीधे लाभों से जुड़ी होती है। भारत के पास आधार - के रूप में यह सुविधा पहले से मौजूद है—जो अत्यंत विश्वसनीय और निशुल्क प्रमाणीकरण प्रदान करता है।

आधार सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा की सबसे बड़े बाधाः अर्थात, विभिन्न राज्यों, क्षेत्रों और नियोक्ताओं में लाभार्थियों की पहचान और प्रमाणीकरण को हल करता है। प्रवासी कामगारों के लिए, आधार-सक्षम पोर्टेबिलिटी वह कर सकती है, जो पिछली पीढ़ी के कल्याणकारी सुधार हासिल नहीं कर पाए : स्थान की परवाह किए बगैर लाभों तक निर्बाध पहुँच सुनिश्चित करना। यह प्रणाली नॉर्वे और डेनमार्क जैसे देशों में डिजिटल आईडी आधारित प्रणालियों की तरह है, जहाँ नागरिक अपनी कल्याण पहचान को अलग-अलग क्षेत्रों और सेवाओं में निर्बाध रूप से अपने साथ रख सकते हैं।

जहाँ एक ओर दुनिया भर में संगठित क्षेत्र के कामगार सामान्यतः सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अंतर्गत आते हैं, वहीं नियोक्ता-कामगार के बीच स्थिर रोजगार संबंध नहीं होने के कारण असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कवर करना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है । कई देश एकीकृत श्रम कानूनों पर भरोसा करते हैं, लेकिन बहुत कम देशों के पास भारत के ई-श्रम डेटाबेस जैसा विशाल राष्ट्रीय श्रमिक रजिस्टर मौजूद है। सामाजिक सुरक्षा संहिता में एकीकृत पंजीकरण तंत्र का प्रावधान ई-श्रम के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो पहले से ही 310 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के कामगारों के जनसांख्यिकीय, कौशल और व्यवसाय संबंधी डेटा को संग्रहित करता है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्रत्येक कामगार की विशिष्ट रूप से पहचान की जाती है और उन्हें एक ई-श्रम यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) प्रदान किया जाता है।

भारत की क्षमता—एकल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से असंगठित कामगारों की विशिष्ट पहचान करना, उन्हें सीधे पंजीकृत करना और ट्रैक करना—सामाजिक सुरक्षा लाभों के लिए तेज़ पंजीकरण, बेहतर पोर्टेबिलिटी और कामगार डेटा के रियल-टाइम अपडेट की सुविधा प्रदान कर सकती है। भविष्य में, यदि ई-श्रम और ईपीएफओ यूएएन को पोर्टेबल बनाया जाता है, तो असंगठित क्षेत्र और संगठित क्षेत्र के बीच श्रमिकों की गतिविधियों को ट्रैक करना संभव होगा। इससे श्रम बाजार की गतिशीलता का विश्लेषण किया जा सकेगा और यह सार्वजनिक नीतियों के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण डेटा स्रोत साबित होगा।

कल्याण पर ज्यादा ध्यान देने वाले देश बैंकों और पारंपरिक भुगतान प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर रहते हैं। हालाँकि भारत ने दुनिया के सबसे तेज़, कम लागत वाले और इंटरऑपरेबल भुगतान नेटवर्क में से एक यूपीआई की पहल की है। डीबीटी के साथ एकीकृत होने के कारण, भारत के पास सामाजिक सुरक्षा भुगतान को तुरंत और सीधे कामगारों के खाते में पूरे देश में कहीं भी भेज सकने की प्रमाणित क्षमता है।

यह एक ऐसी क्षमता है जिसके लिए विकसित अर्थव्यवस्थाएँ भी संघर्ष करती हैं। महामारी के दौरान, अमेरिका तक में लाखों लोगों को प्रोत्साहन चेक के लिए हफ्तों बाट जोहनी पड़ी थी ।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मैकाले के बच्चे ही आज भी भारत के बिल भर रहे

सतीश झा

भारत की एकमात्र अनलूटेबल संपत्ति वह पतली परत है—अंग्रेज़ी-फ्लुएंट, विश्लेषणात्मक रूप से प्रशिक्षित दिमाग़ों की—जिसे मैकाले ने जन्म दिया था। बाकी कोयला, खनिज, नदियाँ—हमने ही चुरा लिए, बर्बाद किए, या लाल फ़ीते में कसकर बांध दिए। इतना सब होने के बावजूद हमने इसके साथ क्या किया? लगभग कुछ नहीं—बल्कि उल्टा किया।

एक असहज सच है, जिसे बोलते ही या लिखते ही कथित देशभक्त व्हाट्सऐप ग्रुप का दरवाज़ा बंद हो जाएगा। पर सच से आँख चुराने का कोई फ़ायदा नहीं है। आधुनिक भारत आज भी उसी ईंधन पर चल रहा है, जिसे 1835 में थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने हमारी नसों में उतारा था। यह कोई अकादमिक तर्क नहीं, यह जमीन की वह कठोर हकीकत है।

और यह हकीकत बताती है कि आईटी एक्सपोर्ट से लेकर फार्मा पेटेंट तक, रिज़र्व बैंक से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक, वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं से लेकर वैश्विक स्टार्ट-अप बोर्डरूम तक—भारत की जो भी आधुनिक मशीनरी चल रही है, उसका अस्सी फ़ीसदी इंजन उसी अंग्रेज़ी शिक्षा और विश्लेषणात्मक प्रशिक्षण से पनपा जिसे मैकाले ने अपने मिनटया कि नोट में दर्ज किया था।

मैकाले तब महज़ 34 साल का था, भारत में चार साल भी पूरा नहीं काट पाया, फिर भी उसने कॉलोनी को बदल देने वाली वह अवधारणा गढ़ दी जिसने आगे चलकर पूरे राष्ट्, भारतीयों के के बौद्धिक खाके को आकार दिया।

मैकाले ने साफ कहा था कि उसे ऐसी प्रशासकीय जाति चाहिए जो खून और रंग से भारतीय भले हो पर स्वाद, विचार, चरित्र और बुद्धि से अंग्रेज़। उसने जो माँगा, इतिहास ने वैसा ही बना दिया। आज हमारे बौद्धिक पिरामिड की ऊपर की 15ङ्क20 प्रतिशत परत—जिसे आप चाहें तो मैकाले के बच्चे कह लें वह भारत का सबसे ज़्यादा टैक्स उत्पन्न करती है, ज़्यादातर फॉरेन एक्सचेंज कमाती है, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की लगभग सारी उपलब्धियों को आकार देती है, और दुनिया में भारत की साख का सबसे बड़ा जनक है।

बाकी 80 प्रतिशत मेहनतकश भारत पर इसका कोई मान नहीं; यह उस आर्थिक सच्चाई का नाम है जिसमें हम अभी भी रहते हैं। वह सच्चाई यह है कि भारत की प्रति व्यक्ति आय आज भी बोत्सवाना और गैबन जैसे देशों से कम है—वे देश जो तेल, हीरों और प्राकृतिक संपदा के महासागरों पर टिके हैं, जबकि हम दुनिया की सबसे कम उपयोग की गई मानवीय प्रतिभा पर टिके हैं।

मैकाले के आलोचक सदैव रहे—गांधी की पीढ़ी से लेकर आज की सत्ता तक। और वे एक बिंदु बिल्कुल ठीक उठाते हैं-यह शिक्षा-प्रणाली नवोन्मेषी दिमाग़ नहीं बनाती, बल्कि एक क्लर्की जाति बनाती थी और है। यह भारतीय भाषाओं की प्रतिभा को दबा गई; इसने शिक्षा को ज्ञान की बजाय सामाजिक प्रतिष्ठा का टोकन बना दिया; और पीढ़ियों को पश्चिमी मान्यता के लिए लालायित कर दिया।

यह सब सच है। लेकिन आलोचक यहीं रुक जाते हैं, जबकि वाक्य अधूरा इसी वजह से रह जाता है कि वे यह नहीं कहते कि—यदि यह ढांचा न होता तो क्या होता?

सचाई यह है कि यदि मैकाले की वह प्रशासनिक रीढ़ न होती, तो 1947 में 28 रियासतों और 565 जागीरों वाला यह उपमहाद्वीप एक गणराज्य के रूप में एकसाथ खड़ा ही नहीं हो पाता। हमारे पास बॉम्बे प्लान जैसी औद्योगिक कल्पना लिखने वाले अभियंता नहीं होते, 1974 में परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिक नहीं होते, और 1991 में अपने ही संकट से जूझते हुए आईएमएफ को ठोस अंग्रेज़ी तर्कों के साथ यह मनाने वाले अर्थशास्त्री नहीं होते कि भारत को सांस लेने दीजिए, हम अपनी अर्थव्यवस्था को खोलेंगे।

गणतंत्र दिवस पर जिस भी उपलब्धि का हम झंडा उठाते हैं, उसकी कहानी को ध्यान से पढ़िए—आप पाएँगे कि उसके लेखक, उसके तकनीकी दिमाग, उसके मुख्य संचालक, वे ही थे जिन्हें मैकाले ने कभी अपनी प्रशासकीय जाति के लिए कल्पना किया था।

ज़रा दुनिया के नक्शे में एक और उदाहरण देखिए। अफ्रीका में भारत के मुकाबले दस गुना अधिक खनिज-संपदा है, दो गुना ज़मीन है, और वहाँ उपनिवेशी भाषाई दखल भी भारत जितना गहरा नहीं था। फिर भी उप-सहारा अफ्रीका की प्रति व्यक्ति आय भारत से अधिक है। क्यों? क्योंकि खनिज और प्राकृतिक संपदा को तानाशाह और ताकतवर लूट सकते हैं; मानव पूंजी को कोई नहीं लूट सकता।

भारत की एकमात्र अनलूटेबल संपत्ति वह पतली परत है—अंग्रेज़ी-फ्लुएंट, विश्लेषणात्मक रूप से प्रशिक्षित दिमागों की—जिसे मैकाले ने जन्म दिया था। बाकी कोयला, खनिज, नदियाँ—हमने ही चुरा लिए, बर्बाद किए, या लाल फ़ीते में कसकर बांध दिए।

इतना सब होने के बावजूद हमने इसके साथ क्या किया? लगभग कुछ नहीं—बल्कि उल्टा किया। पिछले अठ्ठहत्तर वर्षों में हमारा शिक्षा बजट 4.6 प्रतिशत जीडीपी के आसपास मँडराता है; उसमें से भी ज़्यादातर पैसा इमारतों और वेतनों में डूब जाता है, सीखने-सिखाने में नहीं। देश के पाँच प्रतिशत बच्चों को भी दुनिया-स्तरीय शिक्षा नहीं मिलती। हमारे पास गुणवत्तापूर्ण विश्वविद्यालयों से ज्यादा विश्वविद्यालय नियामक हैं। और हर कुछ साल में एक नया नेता राजनीतिक लाभ के लिए घोषणा करता है—हम मैकाले की आत्मा को दफ़ना देंगे। लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि—क्या हमने वह वैकल्पिक ढांचा बनाया है जो मैकाले की जगह ले सके?

(यह लेखक के अपने विचार है)

एसआईआर बड़ा मुद्दा

एसआईआर संसद के शीतकालीन सत्र में विवाद का बड़ा मुद्दा बनता दिख रहा है। उचित होगा कि सरकार पुराने संसदीय नियमों का हवाला देकर मौजूदा हाल पर बहस को ना रोके। सदन में सबको अपनी बात कहने दी जाए।

किसी प्रक्रिया के जारी रहने के दौरान उसके नियम बदलते रहें, तो उसे इसकी मिसाल ही समझा जाएगा कि संबंधित संस्था ने काम शुरू करने के पहले पर्याप्त तैयारी नहीं की। उस हाल में वह प्रक्रिया विवादों से घिरती जाए, यह लाजिमी है। इसकी पूरी जिम्मेदारी संचालक संस्था पर ही आएगी। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर यह बात पूरी तरह लागू होती है। इसको लेकर पहले ही चेताया गया था कि इस कार्य को लेकर निर्वाचन आयोग जल्दबाजी दिखा रहा है। साथ ही इसकी विश्वसनीयता को लेकर भी वह गंभीर नहीं है। बिहार में पुनरीक्षण के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर कई बार उसे नियम बदलने पड़े, लेकिन उससे भी आयोग ने सबक नहीं लिया।

पुराने अंदाज में 12 राज्यों में सीमित समय के भीतर यह कार्य संपन्न कराने की जिद उसने दिखाई। नतीजा है कि यह प्रक्रिया अब पहले से भी अधिक विवादित हो चुकी है। बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) की आत्महत्या, काम के दबाव से मौत, और उनके तनावग्रस्त होने की खबरों ने आक्रोश एवं संशय का जो माहौल बनाया, उसी का नतीजा है कि बीच कार्य के दौरान आयोग को बीएलओ और सुपरवाइजरों के मानदेय एवं प्रोत्साहन राशि में वृद्धि करनी पड़ी। और अब एसआईआर फॉर्म इकट्ठा करने, इन्हें डिजटल रूप देने, तथा अस्थायी मतदाता सूची को जारी करने की समयसीमा बढ़ानी पड़ी है।

साथ ही अब जाकर आयोग ने एलान किया है कि जो नए नाम शामिल होंगे और जिन्हें हटाया जाएगा, सूची जारी होने के पहले उनकी लिस्ट राजनीतिक दलों के बूथ स्तरीय एजेंटों को दी जाएगी। सवाल है कि यह नियम आरंभ में ही घोषित क्यों नहीं होना चाहिए था दरअसल, वे तमाम नियम आरंभ से लागू क्यों नहीं होने चाहिए थे, जो न्यायिक आदेश के कारण इसका हिस्सा बने एसआईआर का प्रश्न संसद के शीतकालीन सत्र में विवाद का एक बड़ा मुद्दा बनता दिख रहा है। सरकार के लिए उचित होगा कि पुराने संसदीय नियमों का हवाला देकर मौजूदा हाल पर बहस को वह ना रोके। बल्कि सदन में सबको अपनी बात कहने दी जाए। चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता के लिए यह अनिवार्य है।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा: भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

श्री पवित्रा मार्गेरिटा

ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 08 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नई जगहों, नए बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों, शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गई दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनाई जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गए हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिज़ाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फ़ोल्डर और डिज़ाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हटकर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिज़ाइनर फ़र्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना।

भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को %पेरिस हौते कॉउचर वीक% में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब ट्रांसफ़ॉर्मिंग वर्ल्ड्स जैसी प्रदर्शनियाँ गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका %वोकल फॉर लोकल% और %लोकल टू ग्लोबल% का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है किः जब हम ऐसा करते हैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं। उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहाँ भी जाएँ उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके।

विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान(निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके। भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूँ, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सर्थेबारी मेटल क्राफ्ट, माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दर्शाता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं है बल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है। यह आंदोलन जैसे-जैसे मज़बूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाए और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ़ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीज़ें चुनता है या हर बार जब कोई डिज़ाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत की आने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बेटी की सहेली से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा पैरोल जंपर गिरफ्तार

नई दिल्ली,12 दिसंबर (एजेंसी)। मयूर विहार थाना क्षेत्र में पाक्सो एक्ट में उम्रकैद की सजा काट रहे पैरोल जंपर को क्राइम ब्रांच की टीम ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान त्रिलोक पुरी के वाहिद खान के रूप में हुई है जो सितंबर 2021 से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार अपने ठिकाने बदल रहा था। आरोपित ने अपनी बेटी की 13 वर्षीय सहेली के साथ दुष्कर्म किया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। ट्रायल के बाद, उसे 2018 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उसे एक सितंबर 2021 को पैरोल मिली थी, लेकिन उसने आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया था। उपायुक्त पंकज कुमार के मुताबिक, नौ दिसंबर को हेड कांस्टेबल नितिन कुमार को आरोपित वाहिद के गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली थी, जिस पर एसीपी गिरीश कौशिक की देखरेख में और इंस्पेक्टर संदीप स्वामी के नेतृत्व में गठित टीम ने छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर मंडोली जेल में भेज दिया गया।

असम के चिमनी भट्ठे से सारण के 7 बंधुआ मजदूर मुक्त

पटना,12 दिसंबर (एजेंसी)। श्रम संसाधन विभाग की टीम ने असम के तीनसुकिया जिले में चिमनी भट्ठे पर बंधक बनाए गए सारण जिले के सात श्रमिकों को मुक्त कराया है। ये श्रमिक अमनौर और मकेर थाना क्षेत्र के हैं, जिनसे चिमनी मालिक कौशल सिंह द्वारा जबरन काम कराया जा रहा था।विभाग के अनुसार, मुक्त कराए गए श्रमिकों में संजय कुमार, गजेन्द्र महतो, राजकुमार महतो, गणेशी महतो, सनोज महतो, मुकेश नट और सुरेश राम शामिल हैं। सभी श्रमिकों ने विभाग की टीम को बताया कि उन सबका मोबाइल जब्त कर लिया गया था। उनसे जबरन काम कराया जा रहा था और विरोध करने पर मारपीट भी की जा रही थी। विभाग को इस मामले की जानकारी श्रमिकों के स्वजन द्वारा मकेर प्रखंड की ग्राम पंचायत राज कैतुका नंदन की मुखिया के माध्यम से सारण जिला प्रशासन और श्रम संसाधन विभाग को दी गई थी।

सफेदपोश आतंकी मुजम्मिल को दोबारा अल फलाह यूनिवर्सिटी लेकर पहुंची एनआइए

फरीदाबाद, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। सफेदपोश आतंकी डा. मुजम्मिल को लेकर एनआईए अल फलाह यूनिवर्सिटी पहुंची। मुजम्मिल को यूनिवर्सिटी परिसर में ही स्थित हास्टल में डा.शाहीन और उमर के फ्लैट में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि मुजम्मिल को सामने बैठाकर एनआईए ने स्टाफ के कई सदस्यों से भी पूछताछ की। करीब दो घंटे तक चली पूछताछ के बाद जांच एजेंसी यूनिवर्सिटी परिसर से निकली। दिल्ली धमाके में शामिल उमर के साथी मुजम्मिल को एनआईए गिरफ्तारी के बाद दूसरी बार यूनिवर्सिटी लेकर पहुंची थी। इसको जांच प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार एजेंसी अभी भी यूनिवर्सिटी परिसर और धौज गांव में मुजम्मिल के नेटवर्क को पूरी तरह से खंगाल रही है। मुजम्मिल धौज, फतेहपुर तगा और सिरोही गांव के जरूरतमंद लोगों से संपर्क में था। धौज गांव की फतेहपुर तगा रोड पर ही मुजम्मिल ने किराए पर मकान लेकर हथियार और विस्फोटक छिपाए थे।

उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे ज़मीन पर कब्ज़ा मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश से पहले पुलिस कर्मी बनभूलपुरा इलाके में गश्त कर रहे हैं।

बम निरोधक दस्ते का वाहन ट्रक से टकराया, 4 जवानों की मौके पर मौत

नई दिल्ली ,12 दिसंबर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में एक बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां एक बीडीएस (बम निरोधक दस्ते) के जवान सड़क हादसे की चपेट में आ गए। इस हादसे में 4 जवानों की मौत की खबर सामने आ रही है वहीं इसमें 1 जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

मोदी ईवीएम नहीं देशवासियों के दिलों को करते हैं हैक, संसद में बोलीं एमपी कंगना रनौत

शिमला, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में कहा कि एक नए सांसद के रूप में उनका यह पहला वर्ष विशेष रूप से विपक्ष के व्यवहार के कारण अत्यंत चिंताजनक और मानसिक रूप से पीड़ादायक रहा है। पूरे वर्ष विपक्ष ने संसद को सुचारू रूप से चलने नहीं दिया। हर दिन सदन में तमाशा, नारेबाजी, वेल में आना, डराना-धमकाना और धक्कामुक्की यह सब लोकतंत्र का अपमान है। हम यहां जनता की आवाज बनने आए हैं, सीखने आए हैं, लेकिन विपक्ष ने संसदीय मर्यादाओं को रौंदने का काम किया है। प्रधानमंत्री ईवीएम को हैक नहीं करते, वह देशवासियों के दिलों को हैक करते हैं। इसलिए कांग्रेस बार-बार ईवीएम पर हार का ठीकरा फोड़ती है। कंगना रनौत ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरे देश को उनसे किसी बड़े खुलासे की उम्मीद थी, लेकिन उनके भाषण में न कोई ठोस तथ्य था, न कोई ठोस मुद्दा। खादी, धागा और लोग इसी में उनका पूरा फ्रेम सिमट गया। अंतरराष्ट्रीय मूल की एक महिला की तस्वीर संसद में प्रदर्शित करने पर गहरी आपत्ति जताते हुए कहा कि वह महिला कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुकी हैं कि उनका भारत या हरियाणा चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद बिना प्रमाण उनके चित्र का उपयोग कर व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन किया गया।महिला सांसद होने के नाते मैं पूरे सदन की ओर से उस महिला से सार्वजनिक रूप से माफी मांगती हूं। यह महिलाओं के सम्मान पर आघात है। जो पार्टी महिलाओं के सम्मान की दुहाई देती है, वही बार-बार महिलाओं का अपमान भी करती है। इसके विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, शौचालय, छात्रवृत्तियां और आत्मनिर्भर महिला योजनाएं देश में महिलाओं को वास्तविक सम्मान और सशक्तीकरण दे रही हैं।

गोवा क्लब अग्निकांड : लूथरा ब्रदर्स गिरफ्तारी से बचने के लिए अदालत पहुंचे, रोहिणी कोर्ट में दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली ,12 दिसंबर (एजेंसीस)। गोवा नाइट क्लब अग्निकांड मामले के मुख्य आरोपी लूथरा ब्रदर्स गिरफ्तारी से बचने के लिए कोर्ट की शरण में पहुंचे हैं। नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा ने विदेश भागने के बाद दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। ये याचिका अपने वकील के जरिए दाखिल कराई है। याचिका में कोर्ट से जमानत देने की अपील की गई है।वहीं, पुलिस ने लूथरा ब्रदर्स के करीबी और बिजनेस पार्टनर अजय गुप्ता को गोवा पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया है। अजय गुप्ता ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस को बताया कि वो क्लब में सिर्फ बिजनेस पार्टनर है। उसे कुछ नहीं पता। गोवा पुलिस अजय गुप्ता को साकेत कोर्ट में पेश कर इसका ट्रांजिट रिमांड लेगी। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच गोवा पुलिस को सिर्फ असिस्ट कर रही है।

नोटिस बेअसर, नोएडा में परिवहन विभाग बकाया वसूली में नाकाम, अब 15 हजार वाहनों को ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी

नोएडा, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। शहर में बकाएदारों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। वर्षभर में दो हजार बकाएदार और बढ़े हैं। पहले से ही बकाएदारों से वसूली की प्रक्रिया बेहद धीमी है। वर्तमान में 15 हजार से अधिक पर विभाग के 200 करोड़ रुपये बकाया है। यह वाणिज्यिक वाहन हैं। इनसे विभाग को कर मिलता है। इनकी सूची तैयार है लेकिन वसूली नहीं हो सकी है। विभाग की ओर से एक बार फिर यह सूची तैयार करने की कवायद शुरू की जा रही है। मोटे बकाएदारों पर कार्रवाई के लिए विभाग निर्णय ले चुका है।बता दें परिवहन विभाग की ओर से 15 हजार से अधिक बकाएदारों को तीन बार नोटिस जारी किया गया। नोटिस के बाद भी यह रकम जमा नहीं हो सकी है। बकाएदारों पर नोटिस का असर नहीं नजर आया। इसकी वजह से वर्षभर में दो हजार बकाएदारों की संख्या और बढ़ गई। बकाया नहीं चुकाने के बाद भी वाहनों का संचालन सड़कों पर हो रहा है। ऐसे वाहनों को ब्लैकलिस्ट सूची में शामिल करने के लिए विभाग की ओर से जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है। अनुमति मिलने पर विभाग का प्रवर्तन दल अभियान चलाकर ब्लैकलिस्ट वाहनों को जब्त कर कार्रवाई करेगा।इस वित्तीय वर्ष में विभाग को मिले करीब चार करोड़ रुपये की वसूली के लक्ष्य में से सात माह में विभाग की ओर से करीब सवा दो करोड़ रुपये की वसूली की जा चुकी है। इनमें सबसे अधिक टैक्सी मालिकों पर 28 करोड़, बसों के मालिकों पर 12 करोड़ और ट्रक मालिकों पर आठ करोड़ रुपये से अधिक बकाया हैं।बकाएदारों पर सख्ती लगातार की जा रही है। विभाग की ओर नोटिस जारी किए गए हैं।

जोजिला में वाहनों की आवाजाही के लिए समय सारिणी जारी, श्रीनगर-कारगिल रोड पर तय हुए नए टाइम-स्लॉट

श्रीनगर, 12दिसम्बर [एजेंसी]। सर्दियों के मद्देनजर श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी मार्ग पर (श्रीनगर-कारगिल) अगले आदेश तक जोजिला में वाहनों की आवाजाही के लिए बुधवार को समय सारिणी तय कर दी गई। यह समय सारिणी हिमपात के चलते जोजिला को यातायात के लिए बंद करने से पूर्व बहाल रहेगी। कारगिल से श्रीनगर की तरफ आने वाले वाहनों को सुबह पांच बजे से रात 10 बजे तक जोजिला पार करने की अनुमति रहेगी। कश्मीर से कारगिल-लेह जाने वाले वाहनों को सुबह 11.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक ही सोनमर्ग से आगे जोजि ला पार करने की अनुमति होगी। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मंडलायुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग ने श्रीनगर-सोनमर्ग-गुमरी रोड पर गाड़ियों की आवाजाही और जो जिला पास के खुलने और बंद होने के शेड्यूल की समीक्षा के लिए बैठक बुलाई।इसमें कारगिल और गांदरबल के जिला उपायुक्त, जिला एसएसपी, एसएसपी रुरल कश्मीर, बीआरओ और बीकन के अधिकारियों ने भाग लिया। मंडलायुक्त ने बैठक में जोजिला में वाहनों की आवाजाही की समय सारिणी को तय करने के साथ संबंधित अधिकारियों से कहा कि वह बीआरओ और विजयक के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद समन्वय बनाए रखें ताकि जोजिला पास को समय पर खोलने और बंद करने में दिक्कत न हो।

अब सर्दियां शुरू हो चुकी हैं। किसी समय हिमपात हो सकता है, इसलिए सोनमर्ग-जोजि ला-कारगिल सड़क की स्थिति की लगातार निगरानी जरुरी है।

किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों की मदद के लिए सभी पर्याप्त प्रबंध पहले ही सुनिश्चित बनाना जरूरी है।उन्होंने आरटीओ कश्मीर व एसएसपी रुरल को निर्देश दिया कि वह इस बात सुनिश्चित बनाएं कि गांदरबल-सोनमर्ग-करगिल मार्ग पर सिर्फ मैकेनिकली फिट गाड़ियां ही चलें। उन्होंने ज़ोजि ला पास पर रिकवरी क्रेन लगाने को भी कहा।

एमपी की शराब तस्करी के मास्टरमाइंड उदय सहित 4 गिरफ्तार, 669 लीटर शराब व 17.61 लाख बरामद

पटना, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। मध्य प्रदेश से शराब लाकर पटना, हाजीपुर से लेकर सारण तक तस्करी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड समेत चार तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जक्कनपुर थाने की पुलिस ने मद्य निषेध विभाग की सूचना पर मीठापुर और इंदिरा नगर में दो घरों में दबिश देकर इनके पास से 669 लीटर शराब, जिसकी कीमत दस लाख रुपये बताई जा रही है, जब्त कर ली है।तस्करी में इस्तेमाल दो स्कूटी और आठ मोबाइल के साथ ही शराब तस्करी से अर्जित 17.61 लाख नकद बरामद किया गया है। चारों की पहचान उदय कुमार उर्फ हरीश, रोहित कुमार, कुणाल कुमार और अभिषेक कुमार के रूप में हुई। सभी सारण जिला के इसुआपुर और मशरक के रहने वाले है।उदय इस गिरोह का मास्टरमाइंड है, जो पूर्व में भी मध्य प्रदेश में शराब स्टोर करने के मामले में जेल जा चुका है। सदर एएसपी अभिनव ने बताया कि सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में दबिश दी जा रही है। एमपी में कहां से शराब खरीद रहे थे। इसके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। उदय पूर्व में एमपी में जेल जा चुका है। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपित किराये का कमरा लेकर शराब की तस्करी कर रहे हैं।

सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने पहले बुद्धा कालोनी में दबिश दी। वहां से मीठापुर पुराने बस स्टैंड और इंदिरा नगर में दो घरों की तलाशी ली गई, जहां से चारों आरोपितों को शराब की खेप, स्कूटी और नकद के साथ गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में पता चला कि मास्टरमाइंड उदय शराब की तस्करी के लिए रोहित, कुणाल और अभिषेक को साथ रखा था। बदले में इन्हें कमीशन देता था। यह गिरोह पिछले एक साल से सक्रिय था। उदय का कनेक्शन मध्य प्रदेश में सक्रिय तस्करों से हैं।गिरोह मध्यम प्रदेश से ट्रेन के जरिए शराब दानापुर मंगा रहा था। फिर वहां से आटो-ई-रिक्शा के जरिए जक्कनपुर स्थित दोनों ठिकानों पर भेजा जाता था। चेन बनाकर पटना के साथ ही हाजीपुर से लेकर सारण तक तस्करी करते थे।

ग्वालियर एयरपोर्ट पर उड़ान सेवाएं प्रभावित केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया डेढ़ घंटे तक फंसे

ग्वालियर 12 दिसम्बर (एजेंसी)। ग्वालियर में जारी इंडिगो फ्लाइट संकट ने यात्रियों की परेशानियों को बढ़ा दिया है। बुधवार को जहां इंडिगो की ग्वालियर-दिल्ली उड़ान सामान्य रूप से चली, वहीं ग्वालियर-मुंबई फ्लाइट को 13 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने इसकी आधिकारिक जानकारी साझा की।दिल्ली से ग्वालियर पहुंचे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी फ्लाइट देरी की स्थिति पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि उन्हें स्वयं एयरपोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे इंतजार करना पड़ा। एयरपोर्ट डायरेक्टर लोकेश यादव के अनुसार, मुंबई-ग्वालियर और ग्वालियर-मुंबई उड़ानों का संचालन फिलहाल एयरलाइन कंपनी द्वारा रोका गया है। हालांकि बेंगलुरु-ग्वालियर-बेंगलुरु और दिल्ली-ग्वालियर-दिल्ली फ्लाइट्स पूर्व निर्धारित समय के अनुसार सुचारू रूप से जारी हैं, जिससे प्रमुख रूट प्रभावित नहीं हो रहे। एयरपोर्ट डायरेक्टर ने बताया कि यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइन सभी प्रभावित यात्रियों को पहले से ही सूचित कर रही है, ताकि वे अपनी यात्रा योजनाओं में आवश्यक बदलाव कर सकें। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इस स्थिति पर निरंतर नजर रखे हुए है और एयरलाइन के साथ समन्वय कर रहा है, ताकि किसी भी यात्री सेवा पर असर न पड़े। एयरपोर्ट पर सुरक्षा, चेक-इन और अन्य सभी मूलभूत सेवाएं पूरी तरह उपलब्ध हैं।

प्रयागराज में निष्क्रिय अग्निशमन उपकरणों के भरोसे होटलों की सुरक्षा, संचालकों को दो दिन में सुधार का अल्टीमेटम

प्रयागराज, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। होटलों व रेस्टोरेंटों में लगे अग्निशमन उपकरणों को परखने के लिए बुधवार को भी जांच अभियान चलाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्र मोहन शर्मा के नेतृत्व में अधिकारियों ने जांच की तो पाया कि 17 होटल व रेस्टोरेंट में लगे अग्निशमन उपकरण निष्क्रिय हैं।संचालकों को दो दिन में व्यवस्था में सुधार लाने की बात कही गई है। चेतावनी दी गई है कि निर्धारित समय के बाद फिर जांच होगी और अगर खामियों को दूर नहीं किया गया तो कार्रवाई की जाएगी। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने से 25 लोगों के मौत के बाद अग्निशमन विभाग द्वारा जांच पड़ताल की जा रही है। बुधवार को दिनभर टीम ने सिविल लाइंस क्षेत्र के 21 होटलों व रेस्टोरेंटों में जांच की। सीएफओ के साथ अग्निशमन अधिकारी राजेश कुमार चौरसिया ने फायर इक्यूपमेंट समेत अन्य उपकरणों को देखा।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि सिविल लाइंस स्थित होटल इलावर्ट, ग्रैंड कांटिनेंटल, इलाहाबाद रेजेंसी, नवीन कांटिनेंटल, कान्हा श्याम बार एंड रेस्टोरेंट, तृप्ति बार एंड रेस्टोरेंट, ले लायन बार एंड रेस्टोरेंट, इनफिंटी विस्ट्रो बार, होटल विलास एंड ब्रिज द रेस्टोरेंट, यूपी 70 बार एंड रेस्टोरेंट जार्जटाउन, होटल प्लेसिड टैगोर टाउन समेत 17 में कमियां मिलीं हैं।इन सभी को दो दिन का समय दिया गया है। तय समय में अगर व्यवस्था में सुधार नहीं किया जाता है तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभाग के छापे से अवैध मेडिकल स्टोर संचालकों में मचा हड़कंप, 12 दुकानें सील

हरिद्वार,12 दिसंबर (एजेंसी)। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और पुलिस ने बुधवार को सिडकुल थाना क्षेत्र के रावली महदूद में अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोरों के खिलाफ अभियान चलाया। टीम को देख कई मेडिकल स्टोर और क्लीनिक संचालकों में हड़कंप मच गया। वह अपने प्रतिष्ठानों के शटर गिराकर भाग खड़े हुए। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने पर टीम ने 12 मेडिकल स्टोर सील कर दिए। ड्रग इंस्पेक्टर अनीता भारती ने बताया कि सिडकुल थाना क्षेत्र के रावली महदूद में कई मेडिकल स्टोर अवैध रूप से संचालित होने की शिकायतें पिछले कई दिनों से मिल रही थी। मेडिकल स्टोरों पर प्रतिबंधित दवा की बिक्री, बिना बिल के दवाओं की खरीद-फरोख्त समेत अन्य अनियमितताएं बरते जाने की बात सामने आ रहीं थी। इस पर सिडकुल पुलिस के साथ बुधवार को विभाग की टीम जांच के लिए रावली महदूद क्षेत्र में पहुंची। जांच के लिए टीम आने की खबर मिलते ही देख कई लोग अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग निकले। इसके बावजूद भी टीम ने कई मेडिकल स्टोरों पर जांच की।

राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में आदिवासी समाज के अमर शहीदों एवं महापुरूषों का अद्वितीय योगदानः मुख्यमंत्री साय

रायपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में आदिवासी समाज के अमर शहीदों एवं महापुरूषों का अद्वितीय योगदान है। उन्होंने कहा कि जब-जब राष्ट्र व समाज पर विपत्ति आई है, आदिवासी समाज ने उनका डटकर मुकाबला कर विघटनकारी तत्वों को मुहतोड़ जवाब दिया है। मुख्यमंत्री श्री साय आज बालोद जिले के गुरूर विकासखंड के ग्राम करेंझर में आयोजित विराट वीर मेला महोत्सव को सम्बोबिधत कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने तीन दिवसीय विराट वीर मेला के अंतिम दिवस पर आयोजित शहीद वीर नारायण सिंह श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर अमर शहीद वीरनारायण सिंह को विनम्र श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम करेंझर में मेला स्थल के समीप तालाब निर्माण हेतु 15 लाख, मेला आयोजन हेतु आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदान कि जाने वाली 10 लाख रूपये की सहयोग राशि को बढ़ाकर 20 लाख रूपये करने तथा राजाराव पठार स्थित देवस्थल में किचन शेड निर्माण करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने मेला स्थल पर कुल 71 लाख 93 हजार रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरविंद नेताम ने की। आदिम जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री आशाराम नेताम विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासियों के हितों के संरक्षण एवं देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाने हेतु पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी एवं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के योगदानों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान बिरसा मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह एवं श्री गैंदसिंह नायक के अद्मय वीरता, साहस एवं राष्ट्र भक्ति का उल्लेख करते हुए उसे अतुलनीय बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा मोदी की गारंटी के तहत किए गए सभी वायदों को पूरा किया गया है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री अरविंद नेताम ने राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधक बने नक्सलवाद के उन्मूलन की दिशा में राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार समाज के सभी वर्गों के विकास के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि जिन मुद्दों के लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष किया, वे आज साकार हो रहे हैं। वन अधिकार की लंबी लड़ाई का परिणाम है कि आज उनके परिजनों को उनका अधिकार मिल रहा है। बस्तर वर्षों पुरानी नक्सली पीड़ा से मुक्त हो रहा है। यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली आ रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण और विकास की मजबूत नींव बस्तर में रखी जा रही है। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोक कलाकारों के द्वारा रेला, मांदरी, हुलकी आदि परंपरागत लोक विधाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जीवंत प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने आदिवासी समाज के रचनाकार श्रीमती हेमवती ठाकुर के द्वारा रचित पुस्तक 'आदिशक्ति माँ अंगारमोती' एवं श्री मरई राधेश्याम बस्तरिया की पुस्तक 'घोटुल पुंदाना' पुस्तक का भी विमोचन किया।

सीपत में कुत्तों ने चीतल का किया शिकार

बिलासपुर, 12 दिसंबर (एजेंसी)। वन मंडल बिलासपुर के सीपत क्षेत्र में कुत्तों के शिकार से एक मादा चीतल की मौत हो गई। मंगलवार की शाम सीपत वन परिक्षेत्र के भरवाडीह गांव के पास जंगल से एक मादा चीतल भटकते हुए सड़क की ओर पहुंच गई थी। सड़क पर आने के बाद चार से पांच कुत्तों ने मिलकर चीतल का शिकार किया, जिसके कारण मादा चीतल गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर तत्काल ग्रामीणों ने पहुंचकर कुत्तों को भगाने के बाद सूचना वन विभाग की टीम को दी। सूचना मिलते ही विभाग की टीम मौके पर पहुंची, जहां चीतल को उपचार के लिए हास्पिटल भेजा गया।जहाँ कुत्तों के काटने के कारण गंभीर रूप से घायल हो चुकी मादा चीतल की मौत हो गई।

5 टीआई समेत 9 निरीक्षकों का तबादला

रायपुर,12 दिसंबर (एजेंसी) पुलिस विभाग में 5 थाना प्रभारियों समेत कुल 9 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेद सिंह द्वारा जारी आदेश में 5 थाना प्रभारियों समेत कुल 9 निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं।

एसपी के निर्देश पर थाना कुरूद ने की त्वरित कार्यवाही, ग्राम सेमरा बी के रोहित नाग हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

धमतरी, 12 दिसंबर (एजेंसी)। जिले के थाना कुरूद क्षेत्रांतर्गत दिनांक 07.12.2025 को रात्रि लगभग 10.00 बजे ग्राम सेमरा बी में मृतक रोहित कुमार नाग (उम्र 23 वर्ष) के साथ हुई मारपीट की गंभीर घटना को धमतरी पुलिस द्वारा तत्काल संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही की गई। मृतक ने तालाब किनारे हो रहे गाली-गलौज का विरोध किया, जिस पर चंद्रशेखर उर्फ जॉनी साहू, झन्नु ध्रुव सहित अन्य साथियों ने उसे पकड़कर हाथ-मुक्का, लोहे के पाइप एवं चाकू से लगातार वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बीच बचाव करने पहुँचे परिजनों को भी एयर पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। गंभीर अवस्था में रोहित नाग को किश्चन अस्पताल धमतरी ले जाया गया, जहाँ उपचार दौरान 08.12.2025 को रात्रि 02.00 बजे उसकी मृत्यु हो गई। घटना पर पुलिस सहायता केन्द्र धमतरी में मर्ग कायम कर पंचनामा व पोस्टमार्टम कराया गया। मर्ग जांच के उपरांत धारा 103(1), 3(5) बीएनएस तथा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

घटना स्थल का बारिकी से निरीक्षण के दौरान घटना स्थल से घटना से संबधित सामान भी जप्त किया गया। विवेचना दौरान आरोपी चंद्रशेखर साहू, झन्नु ध्रुव एवं विधि से संघर्षरत बालक का कथन लिया गया, जिसमें आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक्टिवा सहित अन्य सामान भी जप्त किया गया। विधि से संघर्षरत बालक की सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट तैयार कर उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। अन्य फरार आरोपियों की पतासाजी लगातार जारी है।

मुख्य आरोपी चंद्रशेखर साहू और झन्नु ध्रुव को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

(01) चंद्रशेखर उर्फ जॉनी साहू पिता टुकेश साहू उम्र 25 वर्ष,साकिन दोनर थाना अर्जुनी जिला धमतरी (छ0ग0)

(02) झन्नु ध्रुव पिता नंद कुमार ध्रुव उम्र 24 वर्ष, साकिन दोनर थाना अर्जुनी जिला धमतरी (छ0ग0)।

शिक्षा विभाग में चल रहा बेखौफ घोटालों का सिंडिकेट

बिलासपुर, 12 दिसंबर (एजेंसी)। जिला शिक्षा विभाग में करोड़ों की छात्रवृत्ति वितरण प्रक्रिया पर बेहद गंभीर और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। संवेदनशील ऑनलाइन छात्रवृत्ति सिस्टम, जिसे विभागीय नियंत्रण में होना चाहिए, वास्तव में एक निजी व्यक्ति के हाथों संचालित हो रहा है। देवरीखुर्द के लोक सेवा केंद्र संचालक को विभाग के कमरा नंबर 16 में बैठाकर उसी से पूरा ऑनलाइन संचालन कराया जाता है। यह स्थिति न सिर्फ विभागीय नियमों के खिलाफ है बल्कि करोड़ों रुपये के वित्तीय प्रवाह को जोखिम में डालती है।छात्रवृत्ति प्रभारी कंप्यूटर संचालन में दक्ष नहीं हैं। इसी वजह से विभाग ने लोक सेवा केंद्र संचालक को अपने कमरे में बैठाकर ऑनलाइन छात्रवृत्ति भुगतान, सत्यापन और संकलन जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य उस पर छोड़ दिए हैं। पूरे जिले की छात्रवृत्ति उसी के हाथों से निकलती है। यह स्थिति विभाग के भीतर एक तरह के अनौपचारिक 'सिस्टम कब्जे' की तस्वीर पेश करती है।शासन द्वारा प्रतिवर्ष बिलासपुर जिले के लिए करोड़ों की छात्रवृत्ति राशि जिला शिक्षा विभाग के खाते में भेजी जाती है। यह राशि उचित प्रक्रिया से बच्चों तक पहुंचनी चाहिए, परंतु विभाग के भीतर इसकी ऑनलाइन प्रक्रिया एक निजी ऑपरेटर के हाथ होकर जाती है। सूत्रों के अनुसार, उक्त संचालक पर विभागीय अधिकारियों का इतना भरोसा बन गया है। यह भरोसा एक दिन सूरजपुर की ही तरह टूटेगा। क्योंकि बाहरी लोग तो उसे शिक्षा विभाग का कर्मचारी समझते हैं । लेकिन ताज्जुब की बात तो यह है कि कार्यालय के लोग भी उसे सरकारी कर्मचारी मान बैठे हैं । वह कार्यालय में एक नियमित कर्मचारी की तरह अधिकारपूर्वक बैठता है।
जिले के लगभग 70 प्रतिशत स्कूल इंटरनेट और कंप्यूटर संचालन में सक्षम नहीं हैं। शिक्षक और प्राचार्य तकनीकी रूप से दक्ष न होने के कारण अपने-अपने लॉगिन और पासवर्ड भी इसी लोकसेवा केंद्र संचालक को सौंप देते हैं। इसका अर्थ यह है कि छात्रों का पूरा डेटा, लॉगिनऔर पासवर्ड भी उसी को सौंप देते हैं। इसका अर्थ यह है कि छात्रों का पूरा डेटा, लॉगिन, पासवर्ड और बैंक लिंकिंग-एक निजी व्यक्ति के नियंत्रण में है। यह व्यवस्था किसी भी समय बड़े वित्तीय दुरुपयोग की शक्ल ले सकती है।

जमीन विवाद ने लिया उग्र रूप, दो पक्षों के बीच जमकर हंगामा,

कवधा, 12 दिसंबर (एजेंसी) । कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम नवागांव में भूमि अतिक्रमण को लेकर बुधवार को दो पक्षों के बीच विवाद अचानक बढ़ गया। मामला तब गंभीर हो गया, जब एक पक्ष ने आरोप लगाते हुए कवर्धा-राजनांदगांव नेशनल हाईवे 130 पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। सड़क पर अचानक लगे जाम से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और ग्रामीणों में तनाव का माहौल बन गया।

पानी की कमी से तरक्की की राह तक

कोरिया, 12 दिसंबर (एजेंसी)। जनपद पंचायत सोनहत के अंतर्गत स्थित अकलासरई गांव वर्षों से पानी की गंभीर समस्या से जूझता रहा है। ऊंचाई पर बसे इस गांव में वर्षा जल का संचित न हो पाना और लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण ग्रामीण विशेषकर किसान केवल एक ही फसल पर निर्भर थे। खेती का दायरा छोटा होने से परिवार की आय भी सीमित रह जाती थी। इस कठिनाई को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत अकलासरई ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सोनकुंवर पति जयकरण की भूमि पर परकोलेशन टैंक निर्माण का निर्णय लिया। लक्ष्य था-वर्षा जल को संरक्षित कर भूमि में रिसाव बढ़ाना और आसपास की सिंचाई जरूरतों को पूरा करना। जल संग्रह के लिए उचित स्थान चयन सबसे बड़ी चुनौती थी, ताकि कम आवक की स्थिति में भी पानी प्रभावी रूप से संरक्षित रह सके। परियोजना को सफल बनाने में रोजगार सहायक की भूमिका अहम रही। उन्होंने ग्रामीणों को परकोलेशन टैंक के प्रभावों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

गांजा तस्करी करते तीन गिरफ्तार

रायपुर,12 दिसम्बर (एजेंसी)। रायपुर जिले की अभनपुर पुलिस ने गांजा तस्करी करते 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 750 ग्राम गांजा जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि चार पहिया वाहन में सवार कुछ व्यक्ति वाहन में गांजा रखकर अभनपुर की ओर आ रहे है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना अभनपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना अभनपुर क्षेत्रांतर्गत चण्डी मोड़ अभनपुर तिराहा के पास आरोपियों को पकड़ने हेतु नाकेबंदी पाईंट लगाया गया। इसी दौरान मुखबीर द्वारा बताये चारपहिया वाहन कार को आता देखकर रूकवाया गया। वाहन में 3 व्यक्ति सवार थे जिन्होंने पूछताछ में अपना नाम भूषण चंदेल, पवन मनहरे एवं जितेन्द्र दशरिया निवासी दुर्ग का होना बताया गया। टीम के सदस्यों द्वारा उनके वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में अलग - अलग पैकेटों में गांजा रखा होना पाया गया।

ट्रेनों में चोरी करने वाला अन्तर्राजीय चोर पकड़ाया

रायपुर,12 दिसंबर (एजेंसी)। रेलवे पुलिस रायपुर ने ट्रेनों में चोरी करने वाले अंतर्राजीय चोर सौरभ बुरांडे को गिरफ्तार कर उसके पास से 3,28,000 रुपये का चोरी का सामान जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई है।मिली जानकारी के अनुसार वाल्टेयर रेल लाईन में लगातार ट्रेनो में हो रही चोरियों के संबंध में विशेष नजर रखने हेतु पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर, उप पुलिस अधीक्षक (रेल) रायपुर, के द्वारा थाना प्रभारी जीआरपी रायपुर को पता तलाश कर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये थे। जिसके परिणाम स्वरुप दिनांक 13.11.2025 का गिरफ्तार आरोपी गोलू उर्फ सन्नी सोनवानी, सुमित विश्वकर्मा के द्वारा पूछताछ मे आरोपी सौरभ बुरान्डे का नाम बताये थे जिसके आधार पर आरोपी सौरभ बुरान्डे को पकड़कर पूछताछ किया गया तो आरोपी के द्वारा विगत 15 वर्षो से ट्रेनो में चोरी करना स्वीकार किया है। आरोपी ने यह भी महासमुन्द में गिरफ्तार हो चुका है।

विभिन्नताओं को दूर करने नई गाइडलाइन दरों में बदलाव, रायपुर जिले में जमीनों का नया रेट

रायपुर, 12 दिसम्बर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले में गाइड लाईन दरों का विगत आठ साल से पुनरीक्षण नही हुआ था। इस दौरान नगरीय निकाय विशेषकर रायपुर निगम के वार्डो का परिसीमन वर्ष 2019 एवं 2024 को दो बार हो चुका था। परन्तु उक्त दो बार हुए नगर निगम के वार्डो के परिसीमन के बावजूद अद्यतन परिसीमन अनुसार गाइड लाईन तैयार नही हुआ था। जिससे सम्पत्ति के वर्तममान वार्ड एवं गाइड लाइन का वार्ड भिन्न-भिन्न था। जिससे लोगों को सम्पत्ति के गाइड लाइन दर को जाने में अत्यधिक असुविधा एवं भ्रन्ति होती थी। जैसे नगर निगम रायपुर के वार्ड नं. 9 गाइड लाईन में वार्ड नं. 26 का क्षेत्र आता था. इसी प्रकार नगर निगम रायपुर के वार्ड नं. 7 गाइड लाईन में वार्ड नं. 26 एवं 27 का क्षेत्र आता था। ऐसे ही पूरे निगम क्षेत्र में वर्तमान परिसीमन का वार्ड क्रमांक एवं पूर्व प्रचलित गाइड लाईन के वार्ड क्रमांक/क्षेत्र में भिन्नताएं थी। वर्ष 2017-18 से अब तक रायपुर नगर निगम एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में अनेक प्रमुख मार्ग, कालोनी, व्यवसायिक क्षेत्र / काम्पलेक्स, औद्योगिक क्षेत्र, नवीन बसाहट आदि विकसित हो गये है। इन विकसित हुए प्रमुख मार्ग, कालोनी, व्यवसायिक क्षेत्र / काम्पलेक्स, औद्योगिक क्षेत्र, नवीन बसाहट का गाइड लाईन में समावेशन नही हो पाया था। इसके अलावा पूर्व के प्रचलित गाइड लाईन में अनेक विषंगतियां जैसे-समान परिस्थिति / स्थिति में एक ही मार्ग के दर भिन्न-भिन्न होना, एक क्षेत्र का अनेक दर होना, समान परिस्थिति के क्षेत्र का अनेक दर होना, एक ही क्षेत्र में स्थित स्वीकृत अभिविन्यास की कालोनियों का दर भिन्न-भिन्न होना जैसे अनेक विसंगतियां/विषमता थी। गाइड लाईन का पुनरीक्षण नही होने से उक्त विसंगतियों को दूर नही किया जा सका था। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के एक ही मार्ग में स्थित ग्राम तथा एक परिस्थिति के आस-पास के ग्राम के दरों में बहुत ही भिन्नता एवं विषमता थी। उपरोक्त समस्त कारणों को ध्यान में रखते हुए पूर्व प्रचलित गाइड लाईन दरों का समग्र एवं तार्किक पुनरीक्षण किया जाना नितांत आवश्यक हो गया था। जिससे गाइड लाईन दर आम जनता के समझने एवं जानने में सरल एवं सहज हो सके। जस हेतु रायपुर जिले के नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रचलित गाइड लाईन का पुनरीक्षण कर नवीन गाइड लाईन दर तैयार किया गया है।नगरीय निकाय क्षेत्रों में गाइड लाईन दर को निम्नानुसार तैयार किया गया है। गाइड लाईन दर रोड अनुसार तैयार किया गया है अर्थात एक परिस्थिति एवं समान महत्व के वार्ड में एक मार्ग की की दर को समान रखा गया है। पूर्व प्रचलित गाइड लाईन में एक मार्ग के समान परिस्थिति एवं महत्व के क्षेत्र में इसकी दर को भिन्न-भिन्न रखा गया था. जिसे वर्तमान गाइड लाईन दर में युक्तियुक्त किया गया है। निगम के वार्ड नंबर 1 के रिंग रोड़-2 में दो अलग-अलग दर एक मुख्य मार्ग में -19000 प्रति वर्गमीटर, मुख्य मार्ग में -22000 प्रति वर्गमीटर एक ही रोड एवं समान परिस्थिति के उक्त दोनों दरों को युक्तियुक्त कर वार्ड में रिंग रोड क्रमांक-02 के लिए एकसमान दर रखा गया है। रायपुर-बिलासपुर रोड़ वार्ड नंबर 4 में समान वर्गमीटर एवं 45000 प्रति वर्गमीटर दर निर्धारित थी।

हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा के मध्य 1-1 फेरे के विशेष ट्रेन का संचालन

रायपुर, 12दिसम्बर (एजेंसी)। यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन द्वारा हावड़ा-सीएसएमटी-हावड़ा के मध्य एक-एक फेरे के लिए विशेष ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से दिनांक 11 दिसम्बर 2025 को तथा गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से दिनांक 13 दिसम्बर 2025 को चलेगी । इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है गाड़ी संख्या 02870 हावड़ा-सीएसएमटी स्पेशल ट्रेन हावड़ा से 13.55 बजे रवाना होगी तथा खड़गपुर आगमन 15.30 बजे, प्रस्थान 15.35 बजे, टाटानगर आगमन 17.23 बजे, प्रस्थान 17.28 बजे, राऊरकेला आगमन 19.52 बजे, प्रस्थान 20.00 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 22.03 बजे, प्रस्थान 22.05 बजे तथा दूसरे दिन बिलासपुर आगमन 01.15 बजे, प्रस्थान 01.25 बजे, रायपुर आगमन 03.15 बजे, प्रस्थान 03.20 बजे, दुर्ग आगमन 04.15 बजे, प्रस्थान 04.20 बजे, गोंदिया आगमन 06.05 बजे, प्रस्थान 06.10 बजे, नागपुर आगमन 08.10 बजे, प्रस्थान 08.20 बजे, बडनेरा आगमन 11.10 बजे, प्रस्थान 11.15 बजे, अकोला आगमन 12.10 बजे, प्रस्थान12.15 बजे, भुसावल आगमन 14.50 बजे, प्रस्थान 14.55 बजे, नासिक रोड आगमन 18.30 बजे, प्रस्थान 18.35 बजे, कल्याण आगमन 22.05 बजे, प्रस्थान 22.10 बजे होते हुये 23.45 बजे सीएसएमटी पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02869 सीएसएमटी-हावड़ा स्पेशल ट्रेन सीएसएमटी से 11.05 बजे रवाना होगी तथा कल्याण आगमन 12.10 बजे, प्रस्थान 12.15 बजे, नासिक रोड आगमन 15.15 बजे, प्रस्थान 15.20 बजे, भुसावल आगमन 18.50 बजे, प्रस्थान 18.55 बजे, अकोला आगमन 21.00 बजे, प्रस्थान 21.05 बजे, बडनेरा आगमन 22.55 बजे, प्रस्थान 23.00 बजे दूसरे दिन नागपुर आगमन 01.25 बजे, प्रस्थान 01.30 बजे, गोंदिया आगमन 03.25 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, दुर्ग आगमन 05.05 बजे, प्रस्थान 05.10 बजे, रायपुर आगमन 05.43 20.55 बजे हावड़ा पहुंचेगी

बस्तर ओलंपिक उद्घाटन समारोह के लिए रायपुर पहुंची बॉक्सर मैरी कॉम, युवाओं को संघर्ष और हिम्मत का संदेश दिया

रायपुर, 12 दिसम्बर [एजेंसी]। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर चुकीं प्रसिद्ध बॉक्सर मैरी कॉम ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कभी हार मत मानो। मेहनत और लगन से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। वे बुधवार को रायपुर पहुंचीं, जहां वे गुरुवार को होने वाले बस्तर ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल होने आई है। मैरी काम ने कहा कि आज सरकार और समाज दोनों खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। बेहतर सुविधाएं, मंच और अवसर मिलने से खिलाड़ियों का हौसला बढ़ता है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि यदि लड़कियों को खेलों में और अधिक अवसर दिए जाएं, तो वे हर खेल में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं और देश का नाम रोशन कर सकती हैं। बाक्सर मैरी काम ने छत्तीसगढ़ में खेलों को लेकर बढ़ते उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटे शहरों में बड़े स्पोर्ट्स इवेंट आयोजित होना अपने आप में बड़ी बात है। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक प्रतिभा की कमी नहीं है। यहां के युवाओं में फुर्ती, ताकत और स्टैमिना भरपूर है। यदि इन्हें सही मार्गदर्शन, आधुनिक ट्रेनिंग और पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हों, तो यहां के खिलाड़ी आसानी से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं।मैरी काम ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने के लिए नहीं, बल्कि जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने का माध्यम भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे सोशल मीडिया के बजाय मैदान में अधिक समय दें और किसी भी खेल को पूरी समर्पण भावना से अपनाएं।बस्तर ओलंपिक में अपनी मौजूदगी को लेकर उन्होंने खुशी जताई और कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल संस्कृति को मजबूत करने का बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ से कई खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेंगे।

मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त होगा भारत, रूक्क दीपक प्रकाश बोले पीएम मोदी के नेतृत्व में देश निर्णायक मोड़ पर

रांची। प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने बुधवार को सदन में कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त करने जा रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहां, नक्सलवाद का अंत अब निकट है। उन्होंने सदन में कहा कि गृहमंत्री अमित शाह की निर्णायक नीति, कड़ी निगरानी और विकास आधारित दृष्टिकोण ने नक्सलवाद की जड़ों को कमजोर कर दिया है।दीपक प्रकाश ने कहा कि मोदी सरकार ने स्पष्ट रूप से संकल्प लिया है कि मार्च 2026 तक भारत नक्सलवाद मुक्त घोषित होगा। सदन में उन्होंने कहा कि पिछले दिनों नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या कम हुई है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, मोबाइल को कमजोर किया है।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

प्लेइंग–11 में फिट बैठने के लिए सैमसन को करना पड़ रहा संघर्ष, अर्शदीप–कुलदीप का साथ खेलना मुश्किल?

नई दिल्ली 12 दिसंबर (एजेंसी)।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में विकेटकीपर के तौर पर सैमसन की जगह जितेश को मौका दिया। इसके बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे हैं कि सैमसन के लिए एकादश में जगह बना पाना मुश्किल होता जा रहा है।भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज से अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम संयोजन पर काम कर रही है। भारत के लिए चयन की रणनीति बड़ा सिरदर्द बनती जा रही है, विशेषकर शुभमन गिल की वापसी के बाद से संजू सैमसन के लिए तो प्लेइंग-11 में जगह बना पाना मुश्किल हो रहा है। पहले टी20 में भारत ने सैमसन की जगह जितेश शर्मा को मौका दिया था और अब दूसरे टी20 में भी सैमसन के

एकादश में शामिल होने की संभावना कम ही है। क्या विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद हैं जितेश?ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आखिरी तीन टी20 मैचों में जितेश शर्मा को अंतिम एकादश में शामिल करना अगर प्रयोग जैसा लग रहा था तो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर उन्हें प्राथमिकता देना अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन की सोच को स्पष्ट करता है। सैमसन की जगह निचले क्रम के किसी विशेषज्ञ फिनिशर को तरजीह देने के लिए थिंक टैंक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। सैमसन को गिल की वापसी के बाद बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष स्थान से हटा दिया गया था, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं थी। तब से वह अंतिम एकादश में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

सैमसन-जितेश के बीच ही प्रतिस्पर्धा

जितेश टीम में फिनिशर की अपनी भूमिका को अपनी रोजी-रोटी मानते हैं। अगर वह दक्षिण अफ्रीका और उसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में खराब प्रदर्शन नहीं करते हैं तो यह तय है कि वह टी20 विश्व कप में शुरुआती मैचों में विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। इस समय टीम में विकेटकीपर के विकल्पों के लिए सैमसन और जितेश के अलावा किसी और के नाम पर विचार करना भी मुश्किल है। क्रिकेट विशेषज्ञों का भी मानना है कि अगर सैमसन को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिलता है तो फिर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने वाले जितेश को ही टीम में रखना सही होगा।

आठवें नंबर तक बल्लेबाज को रखना चाहते है टीम प्रबंधन

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में खेलने वाली टीम से यह भी संकेत मिला कि दो प्रमुख गेंदबाज अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव एक साथ अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं हो सकते हैं क्योंकि टीम प्रबंधन आठवें नंबर तक अच्छे बल्लेबाज को रखने के पक्ष में है। अर्शदीप को संयुक्त अरब अमीरात में स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल विकेट पर अधिकतर मैच में बाहर बैठना पड़ा था। ऑस्ट्रेलिया में भी पांच मैच में से तीन मैच में उन्हें अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन कटक में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले मैच में अर्शदीप को मौका मिला और इस प्रारूप में भारत की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह के साथ गेंदबाजी करते हुए एक बार फिर टीम को शुरुआती विकेट दिलाए। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने की क्षमता का मुकाबला सबसे छोटे प्रारूप में भी करना मुश्किल है। अर्शदीप के टीम में होने के कारण एक और मैच विजेता कुलदीप यादव को बाहर बैठना पड़ा।

सूर्यकुमार-गंभीर पहुंचे जगन्नाथ मंदिर, कटक टी20 मुकाबले से पहले टीम इंडिया ने पुरी में की पूजा

पुरी, 12 दिसंबर (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच मंगलवार से पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत हो रही है। इससे पहले टीम इंडिया के सदस्य कोच गौतम गंभीर के साथ पुरी के जगन्नाथ मंदिर पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले से पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने ओडिशा के पुरी स्थित प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। भारतीय खिलाड़ियों के साथ मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद रहे। टीम इंडिया ने यह आध्यात्मिक यात्रा मंगलवार सुबह की, ठीक उसी दिन जब कटक के बाराबाती स्टेडियम में पहला टी20 मुकाबला खेला जाना है।सूर्यकुमार और खिलाड़ी परिवार संग पहुंचेभारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ मंदिर पहुंचे। उनके साथ तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शुभमन गिल और कई खिलाड़ी शामिल रहे। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच सभी खिलाड़ियों ने मंदिर में प्रवेश कर पूजा की।सीरीज में जोरदार टक्कर की उम्मीदभारत और दक्षिण अफ्रीका टेस्ट और वनडे सीरीज के मुकाबले अब टी20 में आमने-सामने होंगे।

आईसीसी रैंकिंग: विराट कोहली वनडे में दूसरी रैंक वाले बल्लेबाज बने, शीर्ष पर बरकरार हैं रोहित

नईदिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज विराट कोहली को फायदा हुआ है।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में लगातार 2 शतक लगाने वाले कोहली रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

दिलचस्प रूप से कोहली अप्रैल 2021 के बाद से वनडे रैंकिंग में शीर्ष बल्लेबाज नहीं बन सके हैं। ऐसे में वह फिर से इस मुकाम को हासिल कर सकते हैं।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में कोहली ने 3

पारियों में 151.00 की औसत के साथ सर्वाधिक 302 रन बनाए, जिसमें 2 शतक शामिल हैं। उन्होंने 1 अर्धशतक भी लगाया।उनके स्कोर 65, 102 और 135 रन रहे थे।उनके अब 773 रेटिंग अंक हो गए हैं।वहीं भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा शीर्ष पायदान पर बने हुए हैं। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित के 781 रेटिंग अंक हैं।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रनों के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी जीत

नईदिल्ली, 10 दिसंबर। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय क्रिकेट टीम ने कई बार दक्षिण अफ्रीका को बड़े अंतर से मात देकर अपनी ताकत साबित की है। खासकर रनों के लिहाज से मिली विशाल जीतें यह दिखाती हैं कि भारत ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभागों में किस तरह दबदबा बनाया। भारतीय टीम ने कुछ मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका को पूरी तरह बैकफुट पर धकेला है। आइए रनों के लिहाज से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी जीत रन नजर डालते हैं।

जोहान्सबर्ग में हुए मुकाबले में मेहमान टीम ने संजू सैमसन (109) और तिलक वर्मा (120) के शतकों से 283/1 का स्कोर बनाया। भारतीय टीम से अभिषेक शर्मा ने ताबड़तोड़ 18 गेंदों में 36 रन बनाए। जवाब में बड़े स्कोर का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 18.2 ओवर में सिर्फ 148 रन पर सिमट गई। प्रोटियाज टीम से ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 43 रन बनाए। भारत से अर्शदीप सिंह ने 3 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए थे।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में खेले गए टी-20 में 106 रन से जीत दर्ज की थी। जोहान्सबर्ग में हुए मैच में मेहमान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर के बाद 201/7 का स्कोर बनाया। भारतीय टीम से सूर्यकुमार यादव (100) और यशस्वी जायसवाल (60) ने शानदार पारियां खेली थी। जवाब में बड़े स्कोर का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका सिर्फ 95 रन पर सिमट गई थी। कुलदीप यादव ने 5 विकेट लिए थे।

साल 2025 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को 101 रन से करारी शिकस्त दी थी। कटक में हुए इस मैच में भारतीय टीम ने पहले खेलते हुए 175/6 का स्कोर बनाया था। भारतीय टीम से हार्दिक पांड्या (59*) और तिलक वर्मा (26) ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम सिर्फ 74 रन पर ढेर हुई थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम से डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 14 गेंदों में 22 रन बनाए थे।

भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रनों के लिहाज से चौथी सबसे बड़ी जीत साल 2022 में आई थी। वह मुकाबला राजकोट में खेला गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 169/6 का स्कोर बना दिया था। दिनेश कार्तिक के बल्ले से 27 गेंदों में 55 रन निकले थे। जवाब में दक्षिण की टीम सिर्फ 87 रन पर ऑलआउट हो गई थी। भारतीय टीम ने वह मुकाबला 82 रन से अपने नाम किया था।

भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5वीं सबसे बड़ी जीत साल 2024 में डरबन के मैदान पर दर्ज की थी। उस मुकाबले में भारतीय टीम को 61 रन से जीत मिली थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 202/8 का स्कोर बनाया था। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 141 रन पर ऑलआउट हो गई थी। सैमसन ने इस मुकाबले में 107 रन बनाए थे। वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई ने 3-3 विकेट लिए थे।

व्यापार

ईडी ने फेमा के 'उल्लंघनों' के आरोप में रिलायंस इंफ्रा के 13 बैंक खाते जब्त किए

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसी)।

ईडी ने बाताया है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में आर-इंफ्रा के 13 बैंक खातों को जब्त कर लिया गया है, जिनमें 54.82 करोड़ रुपये की राशि जमा है। आर-इंफ्रा ने बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में भी इसकी जानकारी दी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के एक दर्जन से अधिक बैंक खातों को जब्त किया है। इन खातों में करीब 55 करोड़ रुपये की जमा राशि है। यह कार्रवाई हवाला से जुड़े फेमा की जांच के तहत की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।ईडी ने बताया है कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) ने अपने विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) के

माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा ठेके दिए गए राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं से सार्वजनिक धन की हेराफेरी की और उसे अवैध रूप से यूएई भेज दिया। यह जांच 2010 में कंपनी को दिए गए एक टेंडर से संबंधित है, जिसमें कंपनी को जेआर टोल रोड (जयपुर-रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) अनुबंध दिया गया था। एजेंसी ने कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (स्न्नश्वरू) के उल्लंघन के आरोप में आर-इंफ्रा के 13 बैंक खातों को जब्त कर लिया गया है, जिनमें 54.82 करोड़ रुपये की राशि जमा है। आर-इंफ्रा ने बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसे ईडी से एक आदेश प्राप्त हुआ है, 'जिसके तहत उसने स्न्नश्वरू के तहत कथित उल्लंघनों के संबंध में कंपनी के बैंक खातों में 77.86 करोड़ रुपये की राशि पर ग्रहणाधिकार लगा दिया है' ईडी ने पिछले महीने अंबानी (66) को इस मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए हाजिरी नहीं दी कि वे केवल 'वर्चुअल उपस्थिति' ही दर्ज करा सकते हैं। यह साफ नहीं है कि एजेंसी ने उन्हें दोबारा बुलाया था या नहीं। अंबानी के प्रवक्ता की ओर से पिछले महीने जारी एक बयान में कहा गया था कि यह 'पूरी तरह से घरेलू अनुबंध था जिसमें किसी भी प्रकार का विदेशी मुद्रा घटक शामिल नहीं था'। बयान में कहा गया था, 'जेआर टोल रोड का निर्माण पूरी तरह से संपन्न हो चुका है और 2021 से यह एनएचएआई के अधीन है।' कथित धोखाधड़ी का वर्णन करते हुए,

भारत 2030 तक दुनिया का सबसे बड़ा डेवलपर समुदाय बनने की राह पर अग्रसर : सत्य नडेला

दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसी)। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी डेवलपर कम्युनिटी बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने भारत के बढ़ते टैलेंट और नेक्स्ट-जेनरेशन एआई इनोवेशन में देश की उभरती लीडरशिप पर प्रकाश डाला।माइक्रोसॉफ्ट लीडरशिप कनेक्शन इवेंट में नडेला ने बताया कि नए टूल्स और प्लेटफॉर्म्स किस प्रकार लोगों के सॉफ्टवेयर बनाने, एप्लीकेशन तैयार करने और मल्टी-एजेंट एआई सिस्टम डिजाइन करने के तरीके को बदल रहे हैं।नडेला ने कहा, भारत के पास 2030 तक 57.5 मिलियन डेवलपर्स होने का अनुमान है, जो कि देश को वैश्विक स्तर पर एक सबसे बड़ा डेवलपर बेस बनाएगा।उन्होंने इसे भारत के लिए एआई का इस्तेमाल कर सामाजिक-स्तरीय सॉल्यूशन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया।उन्होंने कहा कि भारत में मौजूद डेवलपर्स पहले से ही गिटहब, एज्योर और माइक्रोसॉफ्ट के नए एआई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल ऐसे एडवांस्ड प्रोजेक्ट्स के लिए कर रहे हैं, जो कि पहले लार्ज स्केल रिसर्च लैब्स तक ही सीमित थे।उन्होंने एआई एप्लीकेशन बनाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के नए टूल चेन के बारे में जानकारी दी, जिसमें ऐपबिल्डर, कोपाइलेट स्टूडियो और फाउंड्राई शामिल है।

चालू वित्त वर्ष में रबी फसलों के तहत बुआई का कुल क्षेत्रफल 479 लाख हेक्टेयर से अधिक रहा

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसी)। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 5 दिसंबर तक चालू शीत ऋतु में रबी फसलों के तहत बुआई का कुल क्षेत्रफल 479 लाख हेक्टेयर से अधिक रहा। यह बीते वर्ष की समान अवधि के 451.12 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष 27.89 लाख हेक्टेयर अधिक है। इसके अलावा, आधिकारिक जानकारी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में 241.4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गेहूं, 10.98 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में चावल में दलहन की खेती की जा चुकी है।

ईडी ने फेमा के 'उल्लंघनों' के आरोप में रिलायंस इंफ्रा के 13 बैंक खाते जब्त किए

नई दिल्ली, 12 दिसंबर (एजेंसी)।

ईडी ने बाताया है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम के उल्लंघन के आरोप में आर-इंफ्रा के 13 बैंक खातों को जब्त कर लिया गया है, जिनमें 54.82 करोड़ रुपये की राशि जमा है। आर-इंफ्रा ने बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में भी इसकी जानकारी दी है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के एक दर्जन से अधिक बैंक खातों को जब्त किया है। इन खातों में करीब 55 करोड़ रुपये की जमा राशि है। यह कार्रवाई हवाला से जुड़े फेमा की जांच के तहत की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी।

ईडी ने बताया है कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) ने अपने विशेष प्रयोजन वाहनों (एसपीवी) के माध्यम से भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा ठेके दिए गए राजमार्ग निर्माण परियोजनाओं से सार्वजनिक धन की हेराफेरी की और उसे अवैध रूप से यूएई भेज दिया। यह जांच 2010 में कंपनी को दिए गए एक टेंडर से संबंधित है, जिसमें कंपनी को जेआर टोल रोड (जयपुर-रींगस राजमार्ग) के निर्माण के लिए ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) अनुबंध दिया गया था। एजेंसी ने कहा कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (स्न्नश्वरू) के उल्लंघन के आरोप में आर-इंफ्रा के 13 बैंक खातों को जब्त कर लिया गया है, जिनमें 54.82 करोड़ रुपये की राशि जमा है। आर-इंफ्रा ने बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में कहा कि उसे ईडी से एक आदेश प्राप्त हुआ है, 'जिसके तहत उसने स्न्नश्वरू के तहत कथित उल्लंघनों के संबंध में कंपनी के बैंक खातों में 77.86 करोड़ रुपये की राशि पर ग्रहणाधिकार लगा दिया है'।

ईडी ने पिछले महीने अंबानी (66) को इस मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था, लेकिन उन्होंने यह कहते हुए हाजिरी नहीं दी कि वे केवल 'वर्चुअल उपस्थिति' ही दर्ज करा सकते हैं। यह साफ नहीं है कि एजेंसी ने उन्हें दोबारा बुलाया था या नहीं। अंबानी के प्रवक्ता की ओर से पिछले महीने जारी एक बयान में कहा गया था कि यह 'पूरी तरह से घरेलू अनुबंध था जिसमें किसी भी प्रकार का विदेशी मुद्रा घटक शामिल नहीं था'। बयान में कहा गया था, 'जेआर टोल रोड का निर्माण पूरी तरह से संपन्न हो चुका है और 2021 से यह एनएचएआई के अधीन है।'

थित धोखाधड़ी का वर्णन

करते हुए, ईडी ने कहा कि फर्जी उप-अनुबंध व्यवस्थाओं की आड़ में मुंबई में फर्जी कंपनियों को धन का हस्तांतरण किया गया। इन संस्थाओं को मुंबई में विशिष्ट बैंक शाखाओं में फर्जी निदेशकों का उपयोग करके समन्वित तरीके से स्थापित किया गया था। एजेंसी के अनुसार, इन निधियों को अन्य फर्जी संस्थाओं के एक नेटवर्क के माध्यम से 'लेयर' किया गया था और बिना किसी समकक्ष सामान या दस्तावेज की प्राप्ति के पॉलिश किए गए और बिना पॉलिश किए गए हीरों के आयात की आड़ में यूएई भेजा गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन यूएई संस्थाओं को धनराशि भेजी गई थी, उनके यूएई और हांगकांग दोनों में बैंक खाते थे। जांच में पाया गया कि ये संस्थाएं अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन में शामिल लोग कंट्रोल कर रहे थे। ईडी ने कहा, 'जिन फर्जी संस्थाओं के माध्यम से ये धनराशि निकाली गई, वे 600 करोड़ रुपये से अधिक के अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन में शामिल मिले हैं।

'कमाई रुपये में, खर्च डॉलर में', इंडिगो संकट के बीच एयर एशिया सीएफओ ने बताई बाजार की सच्चाई

भारतीय विमानन बाजार दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, लेकिन इसके बावजूद यह एयरलाइनों के लिए हमेशा घाटे का सौदा ही रहा है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में जारी हालिया उथल-पुथल ने एक बार फिर इस बहस को छेड़ दिया है कि क्या भारत में एयरलाइन चलाना वास्तव में टेढ़ी खीर है? इस गंभीर सवाल के बीच, एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने जो बातें कही हैं, वे किसी खतरे की घंटी से कम नहीं हैं। उनका विश्लेषण बताता है कि भारत में एयरलाइन कारोबार की यह दशा केवल प्रबंधन की विफलता नहीं है, बल्कि सिस्टम का संरचनात्मक दोष है जो एयरलाइनों को डूबने पर मजबूर कर रहा है।

एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने क्या कहा?

एयर एशिया के सीएफओ विजय गोपालन ने एक साक्षात्कार में भारतीय विमानन क्षेत्र की कड़वी सच्चाई के बारे में बताते हुए कहा है कि भारतीय विमानन बाजार के मौजूदा ढांचे में मुनाफा कमाना बहुत मुश्किल है। गोपालन ने कहा, 'एयरलाइन कंपनियों का आधा खर्चा विमान के ईंधन यानी एयर टरबाइन फ्यूल पर होता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह ईंधन जीएसटी के दायरे में नहीं आता। इस पर राज्य सरकारें अपना टैक्स लगाती हैं, जो कुछ राज्यों में 30% से भी अधिक है। एक कमोडिटी बिजनेस में, जहां मार्जिन बेहद कम होता है, वहां लागत का 50% हिस्सा अगर ईंधन में चला जाए तो परेशानी खड़ी होती है। गोपालन ने साफ किया कि इस हालात को इसे तर्कसंगत बनाए बिना विमानन उद्योग में बदलाव कठिन है। 'गोपालन ने कहा कि भारत में एयरलाइंस के लिए डॉलर में होने वाला भुगतान परेशानी का दूसरा बड़ा कारण है। गोपालन के अनुसार, एयरलाइन का 75 फीसदी खर्च डॉलर में होता है।एयरक्राफ्ट का भाड़ा हो, मेंटेनेंस और रिपेयर हो या कलपुर्जे पर किया गया खर्च, ये सभी डॉलर में चुकाए जाते हैं।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, निफ्टी 25,800 स्तर से ऊपर कर रहा कारोबार

मुंबई, 12 दिसंबर (एजेंसी)। भारतीय बेंचमार्क सूचकांक बुधवार को हरे निशान में खुले।शुरुआती कारोबार में निफ्टी ऑटो, आईटी, एफएमसीजी और मेटल सेक्टर में खरीदारी देखी जा रही थी। सुबह 9 बजकर 30 मिनट पर सेंसेक्स 203.31 अंक या 0.24 प्रतिशत की बढ़त के बाद 84,869.59 स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी 57.55 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के बाद 25,897.20 स्तर पर बना हुआ था। निफ्टी बैंक 98.85 अंक या 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,321.20 स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 123.75 अंक या 0.21 प्रतिशत की बढ़त के बाद 59,799.95 स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 13.35 अंक या 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,259.15 स्तर पर था।बाजार के जानकारों ने कहा, जैसे-जैसे साल खत्म हो रहा है, मार्केट का स्ट्रक्चर मुश्किल होता जा रहा है। ब्रॉडर मार्केट में भारी बिकवाली देखी जा रही है क्योंकि वैल्यूएशन बहुत अधिक हो गया था और केवल लिक्विडिटी की वजह से ऊंचे बने हुए हैं। यह सस्टेनेबल नहीं होगा, लेकिन ओवरऑल मार्केट में वीकनेस और एफआईआई द्वारा लगातार बिकवाली थोड़ी निराशाजनक है।उन्होंने आगे कहा, एक बड़ी चिंता भारत-अमेरिका की ट्रेड डील को फाइनल होने में देरी है। कल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टिप्पणी कि अमेरिका में चावल डंप करने के लिए भारत पर कार्रवाई होनी चाहिए, इससे सेंटीमेंट प्रभावित हुए। हालांकि, फंडामेंटल भारत के पक्ष में बने हुए हैं।

अनाप शनाप बिल भेजकर काट रहे विद्युत कनेक्शन

भड़का महिलाओं का आक्रोश, किया प्रदर्शन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दीपका क्षेत्र में अनाप शनाप बिजली बिल तथा कनेक्शन विच्छेद किए जाने के खिलाफ महिलाओं का आक्रोश भड़क उठा। उन्होंने बिजली विभाग के कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन करते हुए अपनी मांग रखी। मांग पूरी नहीं होने पर कार्यालय घेराव की चेतावनी दी है।

दीपका के वार्ड क्रमांक 2 ज्योति नगर की आक्रोशित महिलाओं ने बिजली विभाग दीपका कार्यालय पहुंचकर अनियमित और नाप-शनाप बिजली बिलों तथा घरों के लाइन काटे जाने के विरोध में जमकर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने बिजली अधिकारी व कर्मचारियों को खरी-खोटी सुनाई और चेतावनी दी कि यदि बिलों का सुधार और कटी हुई लाइनों को तुरंत बहाल नहीं किया गया तो वे जन-आंदोलन के तहत दफ्तर का घेराव करेंगी। महिलाओं का कहना था कि दीपका बिजली विभाग नियमित रूप से बिल भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं को भी मनमाने और बेतहाशा बिल भेज रहा है। इसके अलावा विभाग ने कई घरों के बिजली कनेक्शन के तार काटकर लाइन काट दी है जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं ने अधिकारियों और कर्मचारियों पर दोहरे मापदंड का भी गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक ओर तो ईमानदार उपभोक्ताओं पर सख्ती की जा रही है, वहीं दूसरी ओर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करने वाले लोगों खिलाफ बिजली विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कोई भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होते हैं। महिलाओं ने कहा कि अनाप-शनाप बिजली बिलों का तत्काल सुधार नहीं किया गया और जिन घरों की बिजली लाइन काटी गई है उन्हें तुरंत बहाल नहीं किया गया तो दीपका के बिजली दफ्तर का घेराव करेंगे। प्रदर्शन में वार्ड की अनीता तिवारी, कंचन देवी, प्रभा देवी, रानी देवी, चुनी देवी, सिपल देवी, चंदा सिंह, ममता वर्मा, बबीता सोनी, रूबी देवी, शिवराम, सावित्री केंवट सहित ज्योति नगर वार्ड की अन्य महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में साफ सफाई व्यवस्था ठप्प

टेंडर समाप्ति से ठेका कामगार हुए बेरोजगार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। एसईसीएल गेवरा क्षेत्र में सफाई का टेंडर समाप्त हो गया है। जिसके कारण पिछले 11 दिनों से कॉलोनी में सफाई का कार्य बाधित है। टेंडर खत्म हो जाने से कर्मचारी बेरोजगार हो गए हैं। उनके सामने रोजी रोटी की समस्या निर्मित हो गई है। उनकी समस्या निदान को लेकर भारतीय सफाई कर्मचारी महासंघ प्रदेश उपाध्यक्ष सिकंदर उसरवर्षा ने एसईसीएल सीएमडी को पत्र लिखा है।

सीएमडी को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि एसईसीएल गेवरा एरिया की कालोनियों में साफ-सफाई के काम में लगे कर्मचारी पिछले 11 दिनों से बेरोजगार हैं। साफ सफाई का कार्य बाधित है। ठेकेदार द्वारा कार्य बंद करा दिया गया है। काम शुरू करने पर कहा जाता है कि उसे कार्य आदेश नहीं दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि ठेकेदार एसईसीएल में फंड की कमी की बात कहता है। जिसके कारण कर्मचारियों के परिवार के समक्ष भरण पोषण की समस्या निर्मित हो गई है। उन्होंने सफाई ठेका कर्मियों को रोजगार प्रदान करने की मांग की है।

हनुमान मंदिर को चोरों ने बनाया निशाना

चांदी के आभूषणों को किया पार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अज्ञात चोर ने हनुमान जी के मंदिर में घुसकर उनके आभूषणों व अन्य सामानों की चोरी कर ली।

प्रार्थी बाबूलाल श्रीवास निवासी कुम्हार मोहल्ला सीतामणी ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया है। उसके घर के बाजू में हनुमान जी का मंदिर है, जिसमें रोज सुबह-शाम आरती व पूजा-पाठ होता है। रोज की तरह 9 दिसम्बर को सुबह पूजा करने के लिये वह गया तो सामने का गेट व गर्भगृह का ताला टूटा हुआ था। मंदिर के अंदर प्रवेश करने पर हनुमान जी का चांदी का मुकुट 4 नग, चांदी का छत्र 2 नग, चांदी का गदा चांदी का चूड़ा हाथ का एक नग, पैर का कड़ा 2 नग, रामदरबार का मूर्ति, पंचमुखी हनुमान जी का मूर्ति ये सभी चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। मंदिर के अंदर की आलमारी भी टूटी मिली जिसमें हनुमान जी का नेत्र, गदा, चांदी का और अन्य मंदिर का चढ़ावा था। बहुत से जेवर आदि आलमारी में रखा गया था। लाकेट और कान का झुमका, कुछ नगद रूपये भी रखे थे। अज्ञात चोर के द्वारा चोरी करके ले गया है। उक्त संबंध में बाबूलाल श्रीवास की रिपोर्ट पर अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सहेलियों के अपहरण मामले में दो को 12 साल कैद

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दो सहेलियों को अपहरण कर भगाकर ले जाने और एक का विवाह करा देने तथा दूसरी नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के मामले में महिला आरोपी और उसके बहन दामाद को 12 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है।

जानकारी के मुताबिक दिनांक 13.03.2024 को पीड़िता की माँ ने थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई थी कि 11 मार्च को उसकी लड़की अपनी सहेली के साथ कपड़ा सिलाने टेलर के पास जाऊंगी बोलकर निकली थी। प्रार्थिया पड़ोस की शादी में गई थी, जो शाम करीब 4.30 बजे शादी से वापस आयी तो उसकी लड़की घर पर नहीं थी। तब प्रार्थिया ने आसपास में व टेलर के पास पता किया तो टेलर के द्वारा अपने पास नहीं आना बताया। पुत्री को अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला- फुसलाकर भगा कर ले जाने के संदेह की शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 363 पर अपराध क्रमांक 163/2024 पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान अपहृत बालिकायें 20.03.2024 को घर वापस आई, जिन्हें थाना ले जाया गया। अपहृत बालिकाओं ने अपने कथन में बताया कि आरोपिया रजनी चौहान उन्हें बनारस में काम व पैसा दिलाउंगी कहकर, बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा कर बनारस ले गई थी। वहां अपने बहन दामाद आरोपी विनोद पटेल के घर ले गई, जहां आरोपिया रजनी ने अपने बहन दामाद के साथ मिलकर एक पीडिता की शादी अन्य व्यक्ति मथुरा निवासी के साथ करा दी। इस बयान के आधार पर प्रकरण में धारा 366, 366 क जोड़ी गई। दूसरी नाबालिग पीड़िता ने आरोपी विनोद के द्वारा उसके साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाना बताया, जिससे प्रकरण में 376 भा0द0सं0, 1860 एवं 04 पॉक्सो अधिनियम, 2012 जोडी गयी। प्रकरण में आरोपी रजनी चौहान एवं विनोद चौहान के द्वारा उक्त घटना करना पाये जाने पर 21.03.2024 को उन्हें गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। प्रकरण के एक अन्य आरोपी राजू यादव, निवासी मथुरा की गिरफ्तारी शेष है। विवेचना पूर्ण होने पर प्रकरण न्यायालय में पेश किया गया जिसमें विचारण के दौरान दोनों आरोपी दोषसिद्ध पाए गए। विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि अपर सेशन न्यायाधीश डॉ. ममता भोजवानी ने इन्हें दण्डित किया है। आरोपीगण रजनी चौहान पति रामजी चौहान, 20 साल, निवासी ईमलीडुग्गु धनुवार पारा और विनोद पटेल पिता स्व0 विश्वनाथ पटेल 38 साल निवासी फौदीपुर, पंचायत कांदीपुर गिर्द बडगांव, जिला संत रविदास नगर भदोही (उ.प्र.) को धारा 366 में 7 वर्ष का सश्रम कारावास, 2 हजार रूपये अर्थदंड,राशि का भुगतान न करने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास, धारा 376 में 12 वर्ष सश्रम कारावास, 5 हजार रुपये अर्थदण्ड और राशि न देने पर 6 माह अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा से दण्डित किया गया है। न्यायाधीश ने नाबालिग पीड़िता को 4 लाख व युवती को 50 हजार रुपये क्षतिपूर्ति राशि प्रदान करने का भी आदेश दिया है।

विभागीय कार्यों एवं जनहित योजनाओं की हुई विस्तृत समीक्षा

जिला पंचायत की सामान्य सभा की हुई बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार सिंह ने की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश कुमार नाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में जिले के विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई।

बैठक में वन विभाग कटघोरा के विभागीय एवं कैम्पा मद के निर्माण कार्यों, सहकारिता विभाग, रेशम विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य विभागों की योजनाओं और गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की उपलब्धियों, प्रगति एवं आगामी कार्ययोजनाओं को विस्तारपूर्वक सदन के समक्ष रखा। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े सड़क, वन, सुविधा विस्तार, एवं जनसमस्याओं से संबंधित प्रमुख मुद्दों को उठाया। उन्होंने आम जनता की आवश्यकताओं और विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने पर विशेष जोर दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. सिंह एवं अन्य सदस्यों ने ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों व पहुंच मार्गों की मरम्मत एवं सुधार कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। साथ ही कटघोरा वन मंडल के अंतर्गत किए गए जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों का निरीक्षण करने तथा इन कार्यों को और सुदृढ़ करने की बात कही। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही शीघ्र सुनिश्चित करने निर्देशित किया। सामान्य सभा की बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष निकिता जैसवाल, जिला पंचायत सदस्य रेनुका राठिया, सावित्री कंवर, सुष्मिता अनंत, सुषमा रजक, माया कंवर, विद्वान सिंह मरकाम, विनोद कुमार यादव, जनप्रतिनिधिगण, उप संचालक पंचायत मिथलेश किसान, सहायक परियोजना अधिकारी मोहनीश देवांगन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लिव इन में रह रही युवती ने दिया बच्चे को जन्म

जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने दर्ज किया बयान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बिना विवाह प्रेमी के साथ रह रही युवती ने शिशु को जन्म दिया। युवती और युवक एक साल से कटघोरा में किराए के मकान पर रह रहे थे। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर जिला अस्पताल चौकी पुलिस ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में युवती का बयान दर्ज किया है, जो बिना विवाह मां बन गई है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल से मिले मेमो के आधार पर उसका बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि कोरिया जिले के थाना बैकुंठपुर के बरबसपुर निवासी 35 वर्षीय युवक को कोरबा जिले के चोटिया क्षेत्र की एक युवती से प्यार हुआ। युवक साइकिल दुकान में रिपेयरिंग का काम करता था, जहां युवती किसी काम से गई थी। इसी दौरान दोनों की जान पहचान हुई और बाद में दोस्ती प्यार में बदल गई। एक साल पहले दोनों घर से भागकर कोरबा जिले के कटघोरा क्षेत्र में किराए के मकान पर रहने लगे। यहां भी युवक साइकिल दुकान में रिपेयरिंग का काम करने लगा और दोनों पति पत्नी की तरह बिना शादी साथ रहने लगे। इसी दौरान युवती प्रेग्नेंट हो गई। बुधवार सुबह युवती की हालत बिगड़ने पर उसे जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, जहां उसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। अस्पताल प्रबंधन ने मामले की जानकारी जिला अस्पताल चौकी पुलिस को मेमो भेजकर दी, जिसके आधार पर पुलिस ने बयान दर्ज किया। युवती आठवीं पास है और समय समय पर मजदूरी का काम करती है। युवक भी आठवीं पास है और दोनों साथ में जीवन यापन कर रहे हैं। पुलिस बयान के अनुसार युवती ने बताया कि दोनों साथ रहने के बाद से आज तक घर नहीं लौटे हैं।

अध्यक्ष बनने पर मुकेश का क्षत्रिय राठौर समाज के पदाधिकारियों ने किया स्वागत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। क्षत्रिय राठौर समाज के द्वारा सियान सदन घंटाघर में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यों ने नवनियुक्त जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश राठौर का स्वागत किया। क्षत्रिय राठौर समाज जिला के मासिक बैठक प्रत्येक माह 10 तारीख को सम्पन्न होती है। इस माह के बैठक में समाज से मुकेश राठौर जो समाज के संरक्षक भी हैं को कांग्रेस जिला शहर अध्यक्ष बनाये जाने पर समाज में खुशी की लहर है। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर समाज के लोगों ने मुकेश राठौर का स्वागत और सम्मान का कार्यक्रम रखा। साथ ही नये भवन निर्माण संबधित चर्चा के साथ सामाजिक उत्थान के बारे में विशेष चर्चा की गई। उपस्थित सभी लोगों ने सम्बोधित करते हुए मुकेश राठौर के नई जिम्मेदारी को लेकर उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। ही प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी का गठन चुनाव के माध्यम से होना है। बैठक में निर्णय लिया गया जो भी प्रतिभागी भाग लेते हैं उनका पूरी तरह से समर्थन व सहयोग किया जाएगा। नवनियुक्त मुकेश राठौर ने कहा कि विश्वास के इस दायित्व को जिम्मेदारी के साथ निभाने का यथासंभव प्रयास करूंगा और संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना मेरी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर शिव नारायण राठौर संरक्षक, मनोज राठौर अध्यक्ष, अरूण राठौर उपाध्यक्ष, सनत राठौर, मनहरण राठौर भठोरा, कृष्णावतार राठौर, विजय राठौर, कमलेश राठौर, रामू राठौर, मनोज राठौर वकील, संतोष राठौर, पीपीएस राठौर, विनोद राठौर सहित क्षत्रिय राठौर समाज के सदस्यगण उपस्थित थे।

अलाव तापते समय झुलसा अधेड़

कोरबा (छ.ग.गौरव)। नेवसा सुपेतपारा में ठंड से बचने के लिए जलाए गए अलाव में 55 वर्षीय सहेतर सिंह झुलस गया। हालत गंभीर है और उसे बिलासपुर रेफर किया गया है। हरदी बाजार नेवसा सुपेतपारा बस्ती में ठंड से बचने के लिए जलाया गया अलाव बड़े हादसे का कारण बन गया। खेत की फसल काटकर आंगन में खरही जमा कर रखे सहेतर सिंह (55 वर्ष) उसकी रखवाली के लिए रात में अलाव जलाकर सो रहा था। इसी दौरान वह अचानक आग में गिर पड़ा, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। उसकी चीख सुनकर बेटे बाहर निकले और उसे तुरंत जिला अस्पताल ले गए, जहां प्रारंभिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे 90 प्रतिशत झुलसा हुआ बताया और बिलासपुर रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने बताया कि ठंड के दिनों में अलाव और आग के उपयोग में लापरवाही से ऐसे हादसे बढ़ जाते हैं। बंद कमरे में आग जलाने से निकलने वाली गैस बेहद खतरनाक होती है। उन्होंने लोगों से विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने की अपील की।

पत्नी से अफेयर के संदेह में हत्या, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में तीन दिन पहले सामने आई संदिग्ध मौत की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। पसान थाना क्षेत्र के ग्राम सेनहा में रहने वाले करण सिंह 32 वर्ष की मौत किसी हादसे में नहीं, बल्कि हत्या में हुई थी। पुलिस ने आरोपी बेचन सिंह 24 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

विगत 5 दिसंबर को करण सिंह संदिग्ध अवस्था में मृत पाया गया था। प्रारंभिक औपचारिकताओं के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। इसी दौरान फोरेंसिक टीम और पुलिस की संयुक्त जांच में पता चला कि करण की हत्या डंडे से पीटकर की गई थी। पड़ोसी बेचन सिंह पर संदेह गहराया और पूछताछ में उसने पूरी घटना स्वीकार कर ली। करण सिंह को शक था कि उसकी पत्नी और बेचन सिंह के बीच प्रेम संबंध है। इसे लेकर दोनों के बीच पहले भी विवाद होते रहे थे। दो दिन पहले भी इसी बात पर दोनों में बहस हुई और गुस्से में बेचन सिंह ने डंडे से पीट-पीटकर करण की हत्या कर दी। जांच में यह भी सामने आया कि बेचन सिंह की शादी तय हो चुकी थी, लेकिन मृतक करण सिंह ने लड़की के परिजनों को फोन कर बताया कि बेचन का उसकी पत्नी से संबंध है। इसके बाद लड़की वालों ने शादी तोड़ दी। इससे बेचन सिंह और करण सिंह के बीच तनाव और बढ़ गया और अंतत: 5 दिसंबर को विवाद हिंसक रूप ले बैठा। पुलिस ने हत्या के सभी साक्ष्य एकत्र कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

कौशल विकास एवं प्लेसमेंट अवसर होंगे सशक्त

एआईसीईसीटी व केएन कॉलेज के बीच हुआ एमओयू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। देश की अग्रणी स्किल डेवलपमेंट एवं शिक्षा संस्था एआईसीईसीटी ने कमला नेहरू महाविद्यालय कोरबा के साथ एक महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते का उद्देश्य छात्रों को कौशल आधारित प्रशिक्षण, इंटर्नशिप एवं बेहतर रोजगार अवसर प्रदान करना है। इस एमओयू पर कमला नेहरू कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत बोपापुरकर एवं एआईसीईसीटी की ओर से एक्जीक्यूटिव प्लेसमेंट ऑफिसर आकाश राखोंडे ने हस्ताक्षर किए। समझौते के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में इंटर्नशिप के अवसर, उद्योग की आवश्यकता के अनुसार स्किल डेवलपमेंट एवं ट्रेनिंग कार्यक्रम, एआईसीईसीटी के राष्ट्रीय नियोक्ता नेटवर्क के माध्यम से प्लेसमेंट सहायता, छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन, रोजगार उन्मुख कार्यशालाएं एवं सत्र, एनसीएसडीई, स्किल इंडिया, पीएमकेवीवाई से संबंधित पहलों में सहयोग प्रदान किया जाएगा। आकाश राखोंडे ने कहा कि यह साझेदारी छात्रों को उद्योग-तैयार कौशल प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। एआईसीईसीटी के प्रशिक्षण संसाधन और राष्ट्रीय स्तर के नियोक्ताओं से जुड़े नेटवर्क से छात्रों को नए अवसर प्राप्त होंगे। डॉ. प्रशांत बोपापुरकर ने एमओयू की सराहना की और कहा कि यह सहयोग कॉलेज के विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बनाएगा। यह साझेदारी कोरबा के छात्रों को उच्च गुणवत्ता के कौशल प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और रोजगार अवसरों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623